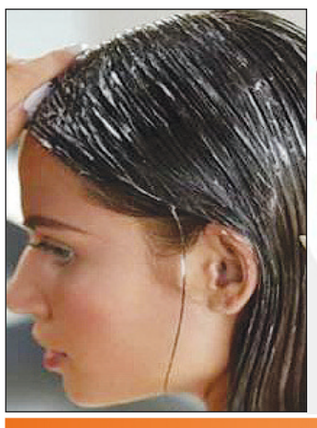

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

क्याआप वाकई में जानते हैं कंघी करने का सही तरीका? पेज: 7

रिद्धि डोगरा ने लोकल ट्रेनों में सफर के दिनों को याद किया पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 101 | बुधवार 15 जुलाई 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

चारा घोटाला: लालू यादव को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत, जमानत रद्द करने से इनकार

नई दिल्ली एजेंसी: मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट से बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव को देवघर चारा घोटाले मामले में बड़ी राहत मिली, क्योंकि कोर्ट ने उनकी जमानत रद्द करने से इनकार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड हाई कोर्ट के आदेश पर रोक लगाने और सीबीआई की याचिका पर कोई आदेश देने से भी इनकार कर दिया। कोर्ट ने हाई कोर्ट से सुनवाई में तेजी लाने को कहा है। जस्टिस एमएम सुंदरेश और पीबी वराले की बेंच ने मामले की सुनवाई की और हाई कोर्ट के आदेश में दखल देने से इनकार कर दिया, लेकिन साथ ही निर्देश दिया कि ट्रायल कोर्ट के फैसले के खिलाफ यादव की अपील पर सुनवाई में तेजी लाई जाए। सुप्रीम कोर्ट ने जमानत रद्द करने की सीबीआई की अपील को ठुकरा दिया और लालू यादव को जमानत देने वाले हाई कोर्ट के आदेश में दखल देने से इनकार कर दिया।

राजनाथ सिंह का बयान ऑपरेशन विजय सिर्फ सैन्य जीत नहीं, साहस और देशभक्ति का अध्याय था

नई दिल्ली एजेंसी: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 1999 के कारगिल युद्ध की 27वीं वर्षगांठ के मौके पर आयोजित एक समारोह में 'ऑपरेशन विजय' को न केवल एक सैन्य जीत, बल्कि साहस, धैर्य, अनुशासन और देशभक्ति के प्रदर्शन के तौर पर भी बताया। मंगलवार को कारगिल विजय दिवस से पहले, सिंह ने नेशनल वॉर मेमोरियल पर शौर्य विजय यात्रा मोटरसाइकिल अभियान को हरी झंडी दिखाई। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम उन भारतीय सैनिकों के साहस, बलिदान और अटूट जज्बे को श्रद्धांजलि है जिन्होंने इस लड़ाई में हिस्सा लिया था। सिंह ने कहा कि आज का यह मौका सिर्फ. मोटरसाइकिल अभियान को हरी झंडी दिखाने का नहीं है, बल्कि उस अटूट जज्बे को नमन करने का है, जिसकी

वजह से हमारे बहादुर नायकों ने भारत के सम्मान, गर्व और गौरव के लिए सब कुछ न्योछावर कर दिया। मैं उस संकल्प को नमन करने आया हूँ, जो हमारी अमर शहीदों की यादों को पीढ़ी-दर-पीढ़ी ज़िंदा रखने के वादे के साथ आगे बढ़ रहा है। रक्षा मंत्री ने इस अभियान के नाम और मोटो (ध्येय वाक्य) का महत्व बताते हुए कहा कि इस यात्रा का नाम ही शौर्य विजय यात्रा (वीरता और जीत की यात्रा) अपने आप में एक प्रेरणा है। और इसका मोटो एक राइड, एक राष्ट्र, एक सलाम इस अभियान की भावना को बहुत गहरे और सार्थक ढंग से जाहिर करता है। शायद इससे ज्यादा सुंदर या प्रभावशाली संदेश कोई और नहीं हो सकता। युद्ध के

बल्कि साहस, धैर्य और देशभक्ति का अध्याय बताया

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कारगिल युद्ध की 27वीं वर्षगांठ पर 'ऑपरेशन विजय' को मात्र सैन्य जीत नहीं, बल्कि साहस, धैर्य और देशभक्ति का अध्याय बताया। उन्होंने 'शौर्य विजय यात्रा' को हरी झंडी दिखाते हुए कहा कि यह अभियान भारतीय सैनिकों

दौरान सैनिकों की बहादुरी को याद करते हुए सिंह ने कहा कि लगभग 20,000 फीट की ऊंचाई पर झ जहां सांस लेना मुश्किल होता है, ऑक्सीजन का स्तर कम होता है और तापमान माइनस 40 डिग्री तक गिर जाता है झ हमारे बहादुर सैनिकों ने ऐसे मुश्किल और विपरीत माहौल में भी नामुमकिन को मुमकिन कर दिखाया। जहां कुदरत ने रास्ता रोक दिया था, वहां हमारे सैनिकों ने अपनी बेमिसाल हिम्मत से इतिहास में एक नया रास्ता बनाया। सिंह के मुताबिक, ऑपरेशन विजय एक ऐसा अध्याय है जिसका अध्ययन दुनिया भर की सेनाएं करती हैं और उसे सम्मान की नजर से देखती हैं। उन्होंने बताया कि यह अभियान 13 दिनों में लगभग 1,900 किलोमीटर की दूरी तय करेगा। इसकी शुरूआत नेशनल वॉर मेमोरियल से होगी और यह चंडीमंदिर, पंजाब, हिमाचल प्रदेश और लद्दाख से होते हुए 26 जुलाई को कारगिल वॉर मेमोरियल पहुंचेगा। सिंह ने कहा कि यह सिर्फ.दूरी तय करने का सफर नहीं होगा; यह इतिहास, बलिदान और देशभक्ति से जुड़ने का सफर होगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कारगिल में मिली जीत, अपनी जमीन, पहचान और सम्मान की रक्षा करने के भारत के अटूट संकल्प को दशार्ती है। उन्होंने कहा कि कारगिल की जीत किसी एक तारीख तक सीमित नहीं है; यह भारत का वह अटूट संकल्प है कि हमारी जमीन, हमारी पहचान और हमारे सम्मान पर उठने वाली हर नजर का भारत पूरी ताकत से जवाब देगा। सिंह ने भरोसा जताया कि यह अभियान युवाओं को प्रेरित करेगा और शहीदों की याद को संजोकर रखेगा।

राहुल गांधी का महाराष्ट्र सरकार पर हमला: टीईटी पेपर लीक से 6 लाख छात्र अधर में

नई दिल्ली एजेंसी: लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने मंगलवार को महाराष्ट्र सरकार की आलोचना की। उन्होंने पेपर लीक होने के आरोप के बाद टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट (टीईटी) 2026 रद्द किए जाने पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि परीक्षा रद्द होने के दो हफ़्ते बाद भी कोई नई तारीख घोषित नहीं की गई है, जिससे लगभग छह लाख उम्मीदवार अधर में लटके हुए हैं। 'एक्स' पर एक पोस्ट में विपक्ष के नेता ने लिखा कि महाराष्ट्र टीईटी का पेपर लीक हुआ, परीक्षा रद्द कर दी गई। 6 लाख उम्मीदवार अधर में लटके हैं। दो हफ़्ते बीत चुके हैं, नई तारीख का कोई अता-पता नहीं है। उन्होंने कहा कि पेपर लीक करने वाले आजाद

घूम रहे हैं, सिस्टम पर कोई दाग नहीं लगा है, और सजा उसे भुगतनी पड़ रही है जिसने ईमानदारी से मेहनत की थी। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि पेपर लीक के लिए ज़िम्मेदार लोगों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई, जबकि परीक्षा की तैयारी करने वाले छात्र और उम्मीदवार इस गड़बड़ी की वजह से परेशान हो रहे हैं। उन्होंने लिखा कि ये देश के मौजूदा और भविष्य के शिक्षक हैं, जिनके हाथों में भारत का भविष्य है। ये वही लोग हैं जिन्होंने साल-दर-साल तैयारी की, फॉर्म भरे, फीस दी और दूर-दराज के सेंटर्स तक का सफर किया। और अब वे बस इंतजार कर रहे हैं - बिना किसी तारीख के, बिना किसी जवाब के। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से बात करते हुए, राहुल गांधी ने तीन सूत्रीय मांग रखी, जिसमें उनकी अपील का मुख्य बिंदु महाराष्ट्र टीईटी का नया शेड्यूल तुरंत घोषित करना था। उन्होंने राज्य सरकार से आग्रह किया कि बिना और देरी किए परीक्षा की नई तारीख घोषित की जाए, उम्मीदवारों को सजा देने के बजाय पेपर लीक के लिए ज़िम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए, और उन उम्मीदवारों को उम्र सीमा में छूट दी जाए जिनकी पात्रता परीक्षा टलने से प्रभावित हुई हो सकती है। उन्होंने लिखा कि मुख्यमंत्री जी, आज ही तीन बातें: समय-सीमा: टीईटी की नई तारीख अभी घोषित करें; जवाबदेही: लीक के लिए ज़िम्मेदार लोगों पर कार्रवाई हो, उम्मीदवारों पर नहीं; भविष्य की सुरक्षा: जिनका साल इस लीक की वजह से बर्बाद हुआ, उन्हें उम्र सीमा में छूट मिलनी चाहिए।

विवादों से घिरे पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर राम मंदिर सीईओ पद की रेस में, सबकी निगाहें अयोध्या पर

महाराष्ट्र एजेंसी: श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पहले मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) बनने की दौड़ चर्चा में आ गई है, क्योंकि पूर्व आईपीएस अधिकारी अमिताभ ठाकुर ने इस पद के लिए अपना आवेदन जमा किया है। 1992 बैच के यूपी कैडर के आईपीएस अधिकारी ठाकुर को केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 23 मार्च 2021 को सेवा से अनिवार्य रूप से रिटायर कर दिया था। यह कार्रवाई संबंधित नियमों के तहत और इस आधार पर की गई थी कि कई विभागीय जांचों और अनुशासनात्मक शिकायतों के बाद उन्हें जनहित में "सेवा में बनाए रखने के लिए अयोग्य" पाया गया था। अगर ऐसा नहीं होता, तो वे 2028 तक सेवा में रहते। अनिवार्य रिटायरमेंट के

बाद, ठाकुर ने 'अधिकार सेना' नाम की एक नई राजनीतिक पार्टी बनाने का ऐलान किया था। उन्होंने यह भी घोषणा की थी कि वह 2022 का विधानसभा चुनाव लड़ेंगे, लेकिन बाद में उन्होंने चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया। सीईओ पद के लिए यह दौड़ राम मंदिर प्रशासन के लिए एक अहम समय पर हो रही है। हाल के महीनों में, ट्रस्ट को श्रद्धालुओं के चढ़ावे की कथित चोरी को लेकर सवालों का सामना करना पड़ा है, जिससे मंदिर के कामकाज में बेहतर निगरानी और ज्यादा पारदर्शिता की मांग उठी है। इन हालात में, सीईओ का चुनाव भारत के सबसे प्रमुख धार्मिक संस्थानों में से एक में कामकाज के तरीके को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। अब सबकी नजरें अयोध्या पर टिकी हैं क्योंकि ट्रस्ट नियुक्ति को अंतिम रूप देने की तैयारी कर रहा है। नया सीईओ मंदिर के रोजमर्रा के कामकाज की देखरेख, ट्रस्ट के फैसलों को लागू करने, फाइनेंस और स्टाफ का प्रबंधन करने और तीर्थयात्रियों की बढ़ती संख्या के बीच कामकाज को सुचारू रूप से चलाने के लिए ज़िम्मेदार होगा। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने अयोध्या स्थित राम मंदिर के पहले मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के पद के लिए सोमवार को आवेदन आमंत्रित किए। ट्रस्ट ने आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 18 जुलाई निर्धारित की है। ट्रस्ट ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी एक पोस्ट में कहा कि अंतिम तिथि को अपरा चार बजे तक आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। यह नियुक्ति इसलिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है

टीईटी पेपर लीक: फडणवीसका राहुल गांधी को दो टूक, विदेश से नहीं, भारत आकर पूछें

महाराष्ट्र एजेंसी: महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने 14 जुलाई को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की 'टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट' (टीईटी) 2026 पेपर लीक मामले पर की गई टिप्पणियों की आलोचना की। फडणवीस ने सवाल उठाया कि क्या राहुल गांधी भारत में मौजूद रहकर जानकारी मांग रहे थे या विदेश से सोशल मीडिया के जरिए जवाब मांग रहे थे। राहुल गांधी ने कहा था कि पेपर लीक होने के कारण टीईटी 2026 परीक्षा रद्द होने से लगभग छह लाख उम्मीदवार अनिश्चितता की स्थिति में हैं और परीक्षा की कोई नई तारीख भी घोषित नहीं की गई है। मुंबई में पत्रकारों से बात करते हुए फडणवीस ने कहा कि मैं राहुल गांधी को बताना चाहता हूं कि इस मामले की जांच हो चुकी है और कार्रवाई भी की गई है। मैं उन्हें यह भी बताना चाहता हूं कि भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों, इसके लिए ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। सबसे अहम बात

यह है कि क्या राहुल गांधी यह जानकारी हमारे देश–भारत–में रहकर मांग रहे हैं या फिर विदेश में कहीं बैठकर सोशल मीडिया के जरिए जवाब मांग रहे हैं। 14 जुलाई को राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा कि महाराष्ट्र टीईटी का पेपर लीक हो गया, परीक्षा रद्द कर दी गई। 6 लाख उम्मीदवार अधर में लटके हुए हैं। दो हफ़्ते बीत चुके हैं, लेकिन नई तारीख का कोई अता-पता नहीं है। महाराष्ट्र राज्य परीक्षा परिषद (एमएससीई) ने पूरे राज्य में 28 जून को होने वाली टीईटी परीक्षा को टाल दिया है। यह फैसला भिवंडी में पुलिस जांच के दौरान कथित तौर पर प्रश्न पत्र लीक होने का मामला सामने आने के बाद लिया गया। यह परीक्षा पूरे महाराष्ट्र में 1,028 केंद्रों पर आयोजित की जानी थी। एमएससीई ने एक सार्वजनिक सूचना में कहा कि नीट 2026 परीक्षा के दौरान हुई गड़बड़ियों के बाद सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे, फिर भी शनिवार सुबह मिली गोपनीय जानकारी से पता चला कि भिवंडी में कुछ लोगों को कथित तौर पर टीईटी प्रश्न पत्र की जानकारी पहले से ही थी।

जयराम रमेश का मोदी सरकार पर वार: खुदरा मुद्रा स्फीति ने बिगाड़ा आम आदमी का बजट, पूंजीपतियों को फायदा

नई दिल्ली एजेंसी: कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने केंद्र सरकार की आलोचना की, क्योंकि जून में खुदरा महंगाई दर मई के 3.93 प्रतिशत से बढ़कर 4.38 प्रतिशत हो गई, जो भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के 4 प्रतिशत के लक्ष्य से अधिक है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पूंजीपतियों का संरक्षक बताया और सरकार पर आरोप लगाया कि वह यह सुनिश्चित करती है कि मुनाफा पूंजीपतियों को मिले, जबकि आम लोग महंगाई की मार झेलें। उन्होंने पर लिखा कि मोदी सरकार के 12 सालों का असली सार यही है: झूठे वादों की बौछार और जनता पर महंगाई व बेरोजगारी की क्रूर मार! मोदी सरकार के 12 सालों में महंगाई ने आम परिवारों का बजट बिगाड़ दिया है। रमेश ने एक मीडिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए बैंक की ब्याज दरों में संभावित बढ़ोतरी को लेकर चिंता जताई, जिससे घर और कार के लिए ज्यादा ईएमआई के कारण मध्यम वर्ग पर बोझ बढ़ सकता है। उन्होंने सवाल किया कि मुनाफा तो पूंजीपतियों की जेब में जाता है, जबकि बोझ आम लोगों पर क्यों पड़ता है? पूंजीपतियों के संरक्षक प्रधानमंत्री मोदी आम लोगों की तकलीफों के बारे में कब बोलेंगे? सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने सोमवार को आंकड़े जारी किए, जिनसे पता चलता है कि जून में खुदरा महंगाई बढ़ी है। इसकी मुख्य वजह खाने-पीने की चीजों की बढ़ी हुई कीमतें और पर्सनल केयर के सामान व गहनों की लागत में हुई काफी बढ़ोतरी है। जून में खाने-पीने की चीजों की महंगाई दर (साल-दर-साल) 5.32 प्रतिशत रही, जिसमें ग्रामीण इलाकों में यह दर 5.45 प्रतिशत और शहरी इलाकों में

मानसून सत्र: सोनिया गांधी आवास पर कांग्रेस की रणनीति, अहम बिल पर होगा घमासान!

नई दिल्ली एजेंसी: कांग्रेस संसदीय रणनीति समूह 16 जुलाई को कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी के आवास पर बैठक करेगा, ताकि संसद के आगामी मॉनसून सत्र के लिए पार्टी की रणनीति को अंतिम रूप दिया जा सके। सुबह 11 बजे होने वाली इस बैठक में पार्टी द्वारा उठाए जाने वाले मुद्दों और सत्र के लिए उसकी समग्र संसदीय रणनीति पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। सरकार ने संसद का सत्र शुरू होने से एक दिन पहले, यानी 19 जुलाई को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। इस बैठक का मकसद विधायी एजेंडे पर चर्चा करना और अलग-अलग राजनीतिक दलों से समर्थन हासिल करना है। अधिकारियों के मुताबिक, संसद के हर सत्र से पहले होने वाली यह पारंपरिक बैठक भी सुबह 11 बजे शुरू होगी। मानसून सत्र, जिसके बारे में केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू पहले ही बता चुके हैं कि यह 20 जुलाई से 13 अगस्त

तक चलेगा, में जोरदार बहस होने की उम्मीद है। उम्मीद है कि विपक्ष कई राजनीतिक और जनहित से जुड़े मुद्दों को उठाएगा, जबकि सरकार अपनी विधायी योजनाओं को आगे बढ़ाने पर ध्यान देगी। रिजिजू ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि भारत सरकार की सिफारिश पर, माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी ने मॉनसून सत्र 2026 के लिए संसद के दोनों सदनों को बुलाने की मंजूरी दे दी है। यह सत्र 20 जुलाई 2026 से शुरू होगा और 13 अगस्त 2026 तक चलेगा, जिसमें राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर सार्थक बहस, चर्चा और फैसले लिए जाएंगे। इस सत्र में महत्वपूर्ण विधायी प्रस्तावों पर विस्तृत चर्चा होने की संभावना है, क्योंकि सरकार विचार-विमर्श के लिए अहम बिल पेश करने की तैयारी कर रही है। हाल ही में कुछ विपक्षी दलों के बीच मतभेदों को देखते हुए, इस दौरान तीखी बहस या टकराव की स्थिति बनने की उम्मीद है। इसके अलावा, प्रस्तावित 130वें संविधान संशोधन बिल की जांच कर रही संयुक्त संसदीय समिति के 17 जुलाई को अपनी रिपोर्ट को मंजूरी देने और फिर उसे संसद में पेश करने की उम्मीद है।

बांकीपुर उपचुनाव: नितिन नबीन ने बीजेपी प्रत्याशी नीरज सिन्हा को बताया समर्पित कार्यकर्ता, दिया पूरा समर्थन

बिहार एजेंसी: बिहार में बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव से पहले, पूर्व बांकीपुर विधायक और बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने पार्टी के उम्मीदवार नीरज कुमार सिन्हा पर भरोसा जताया। नवीन ने सिन्हा को "समर्पित कार्यकर्ता" बताया और उम्मीद जताई कि वे अपने क्षेत्र के लोगों का भरोसा और आशीर्वाद जीतेंगे। मंगलवार को पत्रकारों से बात करते हुए नबिन ने कहा कि मैं यहां अपने इलाके के लोगों के साथ खड़ा हूं क्योंकि एक कार्यकर्ता और (पूर्व) विधायक के तौर पर मैं उनके प्रति जवाबदेह हूं। मुझे खुशी है कि बीजेपी ने बांकीपुर के लोगों की सेवा करने का मौका एक मंडल अध्यक्ष को दिया है। मुझे उम्मीद है कि हमारी पार्टी के जिस कार्यकर्ता को यहां से चुनाव लड़ने का मौका मिला है, उसे बांकीपुर के लोगों का आशीर्वाद मिलेगा और वह उनकी सेवा करेगा। बांकीपुर से चार बार विधायक रहे नवीन ने अपने अनुभव को याद करते हुए अपनी सफलता का श्रेय स्थानीय लोगों के समर्थन को दिया। उन्होंने कहा कि मैंने भी इस इलाके के लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर 20 साल बिताए हैं। उनके सुख-दुख में साथ रहते हुए, मैंने उनके साथ काम करना और काम को आगे बढ़ाना सीखा है। मैं हमेशा

कहता हूं कि मेरे चुनाव क्षेत्र के कार्यकर्ताओं और जनता ने ही मुझे काम करना सिखाया है, और अगर आज मैं इस मुकाम पर पहुंचा हूं, तो यह मेरे चुनाव क्षेत्र के लोगों के आशीर्वाद और प्यार की वजह से ही संभव हुआ है। समुदाय के लिए सिन्हा की सेवा का ज़िक्र करते हुए नवीन ने कहा कि वह एक ऐसे युवा हैं जिन्हें इलाके के लोग एक समर्पित कार्यकर्ता के तौर पर जानते हैं। वह मुश्किल समय में हर किसी के साथ

पूर्व विधायक नितिन नवीन ने बांकीपुर उपचुनाव में बीजेपी उम्मीदवार नीरज कुमार सिन्हा का समर्थन करते हुए उन्हें समर्पित कार्यकर्ता बताया, जो मंडल अध्यक्ष से बूथ मंत्री तक जमीनी स्तर पर सेवा कर चुके हैं। नवीन ने सिन्हा की जीत की उम्मीद जताई और कहा कि उनका अनुभव उन्हें जनता का विश्वास जीतने में मदद

खड़े रहते हैं। यह कहा जा सकता है कि भले ही उनकी व्यक्तिगत पहचान बहुत बड़ी न हो, लेकिन जिस इलाके में वह काम करते हैं, वहां उनकी सेवा का दायरा बहुत बड़ा है। मार्च में राज्यसभा के लिए चुने जाने के बाद नितिन नवीन के बिहार विधानसभा से इस्तीफा देने के कारण बांकीपुर में उपचुनाव हो रहा है। बीजेपी ने नीरज कुमार सिन्हा को अपना उम्मीदवार घोषित किया है; उन्होंने अभिषेक कुमार सिन्हा की जगह ली है, जिन्होंने पारिवारिक कारणों से अपना नाम वापस ले लिया था। शुक्रवार को घोषणा के बाद, बिहार बीजेपी अध्यक्ष संजय सरावगी ने पटना में पार्टी कार्यालय में नीरज कुमार सिन्हा को बधाई दी। आभार व्यक्त करते हुए सिन्हा ने कहा कि मैं बहुत खुश हूँ। मैं शीर्ष नेतृत्व, प्रदेश अध्यक्ष, हमारे नेता नितिन नवीन जी, साथ ही अमित शाह जी और नरेंद्र मोदी जी का बहुत आभारी हूँ। मैं उन सभी का शुक्रगुजार हूँ। मैंने बूथ मंत्री के तौर पर शुरूआत की थी; मैंने दो बार मंडल अध्यक्ष के रूप में सेवा की और युवा मोर्चा में ज़िला उपाध्यक्ष के तौर पर भी काम किया। मुझे बड़ी जीत का भरोसा है। पार्टी कार्यकताओं और आम जनताझजो बांकीपुर निर्वाचन क्षेत्र में अपना आशीर्वाद बरसाने जा रहे हैंझके साथ मिलकर काम करते हुए हम सफल होंगे। लोग हमारे नेतृत्व द्वारा किए गए कामों के आधार पर वोट देंगे।

संपादकीय

सभ्यताओं के टकराव का युद्ध

पांच दिन, तीन रातें और कुल 310 विनाशक, विध्वंसक हमले...! क्या इन हमलों और बारूदी विस्फोटों के बाद किसी का अस्तित्व जिंदा रह सकता है? यकीनन ईरान अब भी तैनात, मोचार्बंद है और अमरीकी सेना के हमलों के पलटवार में खाड़ी देशों में सक्रिय अमरीका के सैन्य अड्डों को तबाह भी कर रहा है। यदि अमरीकी हमलों ने चाबहार, सिरिक, असालुयेह, यासूज, कोनारक, बुशहर आदि बंदरगाहों, सैन्य और परमाणु संयंत्र के करीबी ठिकानों पर विनाशक प्रहार करके बुनियादी ढांचे को बर्बाद किया है, तो खाड़ी देशों में अमरीका के 17 सैन्य बेस ईरान ने इस कदर तबाह किए हैं कि आने वाले कुछ वक्त तक वहां से ऑपरेशन करना मुनासिब नहीं होगा। अब यह युद्ध अनैतिकता, अहंकार, सभ्यताओं के टकराव और ईसाई बनाम शिया मुसलमान का युद्ध बनता जा रहा है। युद्ध थोपने के अमरीका-इजरायल के जो मंसूबे, मकसद थे, वे नाकाम होकर काफी पीछे छूट गए हैं और होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग पर युद्ध केंद्रित हो गया है। ईरान ने ओमान तट पर एक कार्गो जहाज पर हमला किया। पलटवार में अमरीकी हमलों ने ईरान में धुआं-धुआं कर दिया। ईरान खंडहर में तबदील होता जा रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप ईरानी सभ्यता को ही मिटा देने पर आमादा हैं। वह ईरान को पाषाणकाल में धकेल देना चाहते थे, उन्होंने ऐसा बयान कई बार दोहराया था। अब ट्रंप का दावा है कि होर्मुज खुला है, जहाज-टैंकर आ-जा सकते हैं, लेकिन ईरान के आईआरजीसी ने ऐलान किया है कि होर्मुज फिलहाल बंद है। वैसे भी जो जहाज होर्मुज पार कर निकलना चाहते हैं, वे ईरानी अथॉरिटी से इजाजत लें। यदि होर्मुज के बजाय ओमान रूट से जहाज-टैंकर गुजरना चाहेंगे, तो उन पर मिसाइल-ड्रोन हमले किए जाएंगे।

बीते 15 दिनों में 70-80 जहाज चीन की ओर निकले हैं, उन पर हमले क्यों नहीं किए गए? बीती 10 जुलाई को 19 जहाज होर्मुज से निकले थे, जाहिर है कि उन्होंने 'ईरानी टोल' दिया होगा! बहरहाल जिस जहाज पर ईरान ने हमला किया था और अमरीका ने पलटवार में 140 हमले किए, उस जहाज पर साइप्रस देश का झंडा लगा था, लेकिन चालक दल में 11 भारतीय भी थे। ओमान ने लाइफ बोट के जरिए 10 भारतीयों सहित कुल 23 नाविकों को बचाया, लेकिन एक भारतीय नाविक लगातार लापता बताया जा रहा है। असीम समंदर में 'लापता' के मायने समझे जा सकते हैं। इससे पहले, जून माह में ही, अमरीकी सेना ने हमला कर 3 भारतीय नाविकों की 'हत्या' कर दी थी। हम इसे 'हत्या' ही मानते हैं, क्योंकि आज के विकसित, तकनीकी सम्पन्न परिवेश में तमाम डाटा उपलब्ध होता है कि किस जहाज पर क्या माल लदा है? उसका गन्तव्य क्या है? उसके नाविकों में किस देश के नागरिक हैं? सबसे महत्वपूर्ण यह है कि कार्गो जहाज को लगातार 'चेतावनी' दी जाती है और उसके जवाब की प्रतीक्षा की जाती है।

चिंतन-मनन

व्यक्तित्व निर्माण की प्रक्रिया

बदलाव का क्रम निरंतर चलता है। जैन दर्शन इस क्रम को पर्याय-परिवर्तन के रूप में स्वीकार करता है। पर्याय का अर्थ है अवस्था। प्रत्येक वस्तु की अवस्था प्रतिक्षण बदलती है। यह जगत की स्वाभाविक प्रक्रिया है।कुछ अवस्थाओं को प्रयत्नपूर्वक भी बदला जाता है।स्वभाव से हो या प्रयोग से, बदलाव की प्रक्रिया को बदलना संभव नहीं है।वस्तु बदल सकती है तो व्यक्ति भी बदल सकता है।इस आस्थासूत्र का आलंबन लेकर ही व्यक्ति व्यक्तित्व-निर्माण का लक्ष्य निर्धारित करता है।लक्ष्य निर्णीत होने के बाद उस दिशा में प्रस्थान करता है। आज का आदमी जेट युग की रफ्तार से चलता है। वह आकाश में सीढ़िया लगाने की बात सोचता है और समुद्र में सुरंग बनाने की कल्पना करता है।पर व्यक्ति-निर्माण का काम शॉर्टकट मेथड से पलक झपकते ही हो जाए, यह संभव नहीं है। व्यक्तित्व निर्माण की बात होती है तो प्रश्न उठता है कि किस प्रकार का व्यक्तित्व? इस प्रश्न का समाधान है आध्यात्मिक वैज्ञानिक व्यक्तित्व।व्यक्तित्व निर्माण के इस अनुष्ठान में जिन वर्गों को सहभागी होना है, उनमें एक वर्ग है- स्नातक। एक विद्यार्थी स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर का अध्ययन करने में अपने जीवन के सत्रह-अठारह वर्ष लगा देता है। उस समय उसके अभिभावकों के मन में यह भाव नहीं पैदा होता कि उसके ये वर्ष व्यर्थ तो नहीं बीत रहे हैं।क्योंकि डिग्री के साथ जीविका का संबंध जोड़ा जाता है।जीविका जीवन की अनिवार्यता है।लेकिन जीविका से अधिक मूल्यवान जीवन है।जीविका जीवन का साध्य नहीं साधन है।जीवन का साध्य है- विकास की यात्रा में अग्रसर होना। बुद्धि व्यक्तित्व का महज एक घटक है।उसका दूसरा घटक है प्रज्ञा।प्रज्ञा के जागरण से बौद्धिक विकास के साथ भावनात्मक विकास का संतुलन रहता है।जब ये दोनों विकास समानांतर होते हैं, तब आध्यात्मिक वैज्ञानिक व्यक्तित्व का निर्माण हो सकता है। इस बात को स्वयं विद्यार्थी अनुभव करे या नहीं, अभिभावकों को ध्यान देने की अपेक्षा है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

दुनिया को असुरक्षित महसूस कराती ट्रंप की युद्धनीति

डॉ हिदायत अहमद खान

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने खुद की हत्या किए जाने की आशंका जताकर पूरी दुनियां का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। दरअसल ट्रंप का यूं स्वयं की हत्या की आशंका जताना केवल एक व्यक्तिगत सुरक्षा संबंधी बयान नहीं है, बल्कि उस व्यापक भू-राजनीतिक संकट का संकेत भी है, जिसकी आहट आज पूरी दुनिया महसूस कर रही है। जब किसी महाशक्ति का सर्वोच्च नेता सार्वजनिक रूप से अपनी सुरक्षा पर खतरे की बात करता है और साथ ही किसी देश को पूरी तरह समाप्त कर देने जैसी चेतावनी देता है, तब यह केवल राजनीतिक बयानबाजी नहीं रह जाती, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्थिरता के लिए गंभीर चिंता का विषय बन जाती है। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने राजनीतिक जीवन में स्वयं को अक्सर एक ऐसे नेता के रूप में प्रस्तुत किया है, जो दुनिया में शांति स्थापित करना चाहता है। उन्होंने रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त कराने, भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव कम कराने और पश्चिम एशिया में स्थिरता लाने जैसे दावे भी किए हैं। हालांकि, व्यवहारिक राजनीति में उनके कई फैसले इसके विपरीत दिखाई देते हैं। ईरान के विरुद्ध सैन्य कार्रवाई, आर्थिक प्रतिबंधों का विस्तार और लगातार कठोर बयान यह संकेत देते हैं कि उनकी विदेश नीति में कूटनीति की तुलना में शक्ति प्रदर्शन को अधिक महत्व दिया जा रहा है। यही नहीं शक्तिशाली देश को कमजोर करने या उसकी कमजोरी उजागर कर पड़ोसी दुश्मन देश को उसके खिलाफ भड़काने का काम भी बहुतायत में हुआ है। ईरान के मामले में आंकलन गलत साबित हुआ है, इस कारण इजराइल चुप हो गया और अब अमेरिका खुद को इस चक्रव्यूह से निकालने की कोशिश में सब गंवाते चले जा रहे हैं।

वर्तमान परिस्थितियां बता रही हैं कि अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच बढ़ता सैन्य तनाव केवल दो-तीन देशों का विवाद नहीं रह गया है। इसका सीधा प्रभाव पूरे पश्चिम एशिया, वैश्विक ऊर्जा बाजार, समुद्री व्यापार और अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा व्यवस्था पर पड़ रहा है। इन हमलों में अन्य देशों के नागरिक भी अपनी जान गंवा रहे हैं। कुल मिलाकर जान-माल का खासा नुक्सान हो रहा है। होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों में से एक है, जहां से बड़े स्तर पर वैश्विक तेल आपूर्ति की जाती है। यदि यहां सैन्य टकराव बढ़ता है तो इसका असर तेल की कीमतों से लेकर वैश्विक अर्थव्यवस्था तक दिखाई देगा। ट्रंप का यह कहना कि यदि उनकी हत्या होती है तो ईरान को अभूतपूर्व सैन्य जवाब दिया जाएगा, राजनीतिक दृष्टि से भले ही समर्थकों को संदेश देने का प्रयास हो, लेकिन संवैधानिक और संस्थागत दृष्टि से यह उतना सरल नहीं है। अमेरिकी लोकतांत्रिक व्यवस्था में राष्ट्रपति की अनुपस्थिति की स्थिति के लिए स्पष्ट संवैधानिक प्रावधान मौजूद हैं। किसी भी सैन्य कार्रवाई का निर्णय तत्कालीन राष्ट्रपति और संस्थागत प्रक्रिया के माध्यम से ही लिया जाता है। इसलिए व्यक्तिगत चेतावनी और संवैधानिक वास्तविकता में स्पष्ट अंतर है। इसे ट्रंप भी समझ रहे हैं, इसलिए आगे वो कहते सुने जाते हैं कि उनकी हत्या का बदला वर्तमान उपराष्ट्रपति वेंस लेंगे, क्योंकि तब वो राष्ट्रपति होंगे। दूसरी ओर, ईरान भी लगातार अपनी सैन्य क्षमता का प्रदर्शन कर रहा है और अमेरिका तथा इजराइल के विरुद्ध कड़े बयान दे रहा है। दोनों पक्षों की ओर से आक्रामक भाषा और सैन्य गतिविधियों का विस्तार इस आशंका को बढ़ाता है कि यदि किसी भी स्तर पर गलत आकलन या छोटी सी चूक हुई, तो उसका परिणाम व्यापक क्षेत्रीय संघर्ष के रूप में सामने आ सकता है। इतिहास गवाह है कि अनेक बड़े युद्ध ऐसी ही परिस्थितियों में शुरू हुए, जब कूटनीतिक संवाद की जगह सैन्य शक्ति का प्रदर्शन हावी हो गया। इस पूरे घटनाक्रम में एक महत्वपूर्ण पहलू राजनीतिक मनोविज्ञान का भी है। किसी नेता द्वारा स्वयं पर हमले की आशंका सार्वजनिक करना कई बार सुरक्षा संबंधी वास्तविक चिंताओं का परिणाम हो सकता है, तो कई बार यह अपने समर्थकों को संगठित करने और कठोर नीतियों को उचित ठहराने का राजनीतिक माध्यम भी बनता है। इसलिए ऐसे बयानों का मूल्यांकन तथ्यों और परिस्थितियों के आधार पर ही किया जाना चाहिए, न कि केवल राजनीतिक भावनाओं के आधार पर। आज दुनिया पहले से ही रूस-यूक्रेन युद्ध, गाजा संकट,

पाकिस्तान-अफगानिस्तार, सीरिया संकट और विभिन्न क्षेत्रीय संघर्षों से जूझ रही है। ऐसे समय में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता टकराव वैश्विक शांति के लिए नई चुनौती बन सकता है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव द्वारा संयम और संवाद की अपील इसी कारण महत्वपूर्ण है। किसी भी युद्ध का अंत अंततः बातचीत की मेज पर ही होता है, लेकिन तब तक उसकी कीमत हजारों जानें, आर्थिक तबाही और वर्षों की अस्थिरता के रूप में चुकानी पड़ती है। महाशक्तियों की जिम्मेदारी केवल अपनी सैन्य क्षमता बढ़ाना और दिखाना नहीं, बल्कि वैश्विक शांति बनाए रखना भी है। युद्ध की भाषा अल्पकालिक राजनीतिक लाभ दे सकती है, किंतु स्थायी समाधान केवल कूटनीति, विश्वास निर्माण और संवाद से ही संभव है। वर्तमान परिस्थितियों में यही वह रास्ता है, जो अमेरिका, ईरान और पूरी दुनिया को एक बड़े संकट से बचा सकता है।

विश्व युवा कौशल दिवस- साझा भविष्य की सबसे मजबूत नींव है युवा कौशल क्रांति

योगेश कुमार गोयल

रोजगार नहीं, अवसर सृजन की शक्ति है कौशल...

तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण तथा स्थानीय व वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं के लिए प्रासंगिक अन्य कौशलों के विकास के बारे में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 15 जुलाई को 'विश्व युवा कौशल दिवस' मनाया जाता है। चूंकि यह दिन विश्वभर के युवाओं को रोजगार, काम और एंटरप्रेन्योर बनने के लिए जरूरी स्किल्स से लैस बनाने के लिए समर्पित है, इसीलिए यह दिवस मनाए जाने का काफी महत्व है। दरअसल पूरी दुनिया आज कई गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है, जिनमें से कई चुनौतियां खासकर युवा वर्ग को बहुत प्रभावित करती हैं। यह दिवस युवाओं और 'तकनीकी, व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण' (टीवीईटी) संस्थानों, फर्मों, नियोक्ताओं, श्रमिक संगठनों, नीति निमार्ताओं तथा विकास भागीदारों के बीच संवाद का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है। यह दिन लैंगिक असमानता को समाप्त करने तथा कमजोर लोगों तक संसाधनों की पहुंच सुनिश्चित करने को बढ़ावा देने के लिए भी खास माना जाता है।

विभिन्न रिपोर्टों के मुताबिक पूरी दुनिया में 200 मिलियन से भी ज्यादा युवा या तो बेरोजगार हैं या उनके पास नौकरी तो है लेकिन वे गरीबी में जी रहे हैं। केवल 1997 और 2017 के बीच ही युवा आबादी में 139 मिलियन की वृद्धि हुई, वहीं युवा श्रम बल में 58.7 मिलियन की कमी आई। कोरोना काल के बाद तो युवा श्रम बल को लेकर स्थिति काफी बदतर हुई। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार उभरती और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में पांच में से दो युवा श्रमिक प्रतिदिन 3.1 अमेरिकी डॉलर से भी कम पर जीवनयापन करते हैं और वैश्विक स्तर पर 4 में से 3 युवा कर्मचारी अनौपचारिक अर्थव्यवस्था में कार्यरत हैं, जो सभ्य काम नहीं है। वैश्विक स्तर पर अधिकांश युवा अभी भी स्थिर या संतोषजनक नौकरी पाने के लिए औसतन 13.8 महीने तक प्रतीक्षा करते हैं, जो शिक्षा से नौकरी में एक कठिन संक्रमण को दशार्ता है। चूंकि पूरी दुनिया में युवा बेरोजगारों बहुत बड़ी फौज है, इसलिए उनके लिए आने वाली चुनौतियों का सफलतापूर्वक प्रबंधन करने के कौशल से लैस होना और भविष्य में होने वाली बाधाओं को झेलने के लिए लचीलापन होना आवश्यक है। वैश्विक स्तर पर बढ़ती युवा बेरोजगारी आज की अर्थव्यवस्थाओं और समाजों के सामने विकसित और विकासशील देशों के लिए सबसे बड़ी समस्या है। इसीलिए विश्व युवा कौशल दिवस का मुख्य उद्देश्य बेरोजगारी और अल्प-रोजगार की चुनौतियों के संदर्भ में आज के युवाओं के लिए बेहतर सामाजिक-आर्थिक स्थिति प्राप्त करना है।

युवाओं को रोजगार, अच्छे कार्य और उद्यमिता के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करने के रणनीतिक महत्व को स्वीकार करने और साथ ही वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने तथा सतत विकास को आगे बढ़ाने के लिए ही संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 15 जुलाई 2014 को विश्व युवा कौशल दिवस मनाने की घोषणा की थी, तभी से यह दिवस 15 जुलाई को एक खास विषय के साथ मनाया जा रहा है। इस वर्ष इस दिवस के लिए 'साझा भविष्य के लिए कौशल' विषय निर्धारित किया गया है, जो इस विचार को रेखांकित करता है कि भविष्य केवल तकनीकी दक्षता से नहीं बल्कि ऐसे संतुलित कौशलों से निर्मित होगा, जिनमें डिजिटल साक्षरता, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, हरित तकनीक, सामाजिक-भावनात्मक समझ, सहयोग, नवाचार और जिम्मेदार नागरिकता का समावेश हो।

भारत में 2015 में इसी दिन यानी 15 जुलाई को ही कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए 'प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना' (पीएमकेवीवाई) की शुरूआत की गई थी। इसके तहत युवाओं को मुफ्त में लघु अवधि का औद्योगिक कौशल प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि वे रोजगार प्राप्त कर सकें। 14 से 35 वर्ष के युवा इस मिशन के तहत प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं। प्रशिक्षण के लिए तीन महीने, छह महीने या एक वर्ष के लिए रजिस्ट्रेशन कराना होता है। कोर्स पूरा करने के पश्चात प्रमाणपत्र दिया जाता है, जो देशभर में मान्य है और इस कौशल प्रमाणपत्र के आधार पर आसानी से रोजगार प्राप्त किया जा सकता है। चूंकि युवा वर्ग समाज में अधिक न्यायसंगत, समान और प्रगतिशील अवसरों तथा समाधानों की मांग कर रहा है, इसलिए युवाओं के समक्ष आने वाली शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और लैंगिक समानता तक पहुंच जैसी बहुमुखी चुनौतियों का समाधान करने की आवश्यकता पहले से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण हो गई है और इसके लिए युवाओं को कौशल प्रदान करने के साथ-साथ उन्हें अपने कार्य वातावरण में अधिक रोजगार योग्य तथा अधिक उत्पादक बनाने के लिए गंभीर पहल किए जाने की भी जरूरत है।

भारत में केंद्र सरकार की ऐसी ही महत्वपूर्ण पहल है 'कौशल भारत', जिसके जरिये सफल होने के लिए युवाओं को आवश्यक कौशल से लैस करने के प्रयास किए जाते हैं। 'स्किलिंग इंडिया' के तहत 'कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय' भारतीयों में ऐसे कौशल विकसित करने की पहल और योजनाओं पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, जिससे वे राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान बढ़ा सकें। दरअसल युवा राष्ट्र निर्माण और छवि निर्माण दोनों में ही सबसे बड़े हितधारक हैं, इसलिए उनके उज्ज्वल भविष्य को सुनिश्चित करने के लिए युवाओं को कौशल प्रदान करने तथा देश और दुनिया को एक बड़ा कुशल कार्यबल प्रदान करने पर सरकार का फोकस है। युवाओं के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं में 'नेशनल अप्रेन्टसशिप प्रोमोशन स्कीम', युवाओं को स्टार्टअप शुरू करने, नवविचार को प्रोमोट करने, देश में स्टार्टअप कल्चर को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'स्टार्टअप इंडिया', बेरोजगार युवाओं और महिलाओं को नया कारोबार शुरू करने के लिए लोन उपलब्ध करवाने हेतु 'पीएम रोजगार योजना' इत्यादि विभिन्न योजनाएं भी शामिल हैं।

संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक हिंसक संघर्ष शिक्षा और स्थिरता को बाधित करते हैं, ऑनलाइन वातावरण में नकारात्मकता को बढ़ावा देने वाला ध्रुवीकृत वातावरण और लगातार आर्थिक असमानता अवसरों को सीमित

करती है। ये मुद्दे न केवल व्यक्तिगत भविष्य बल्कि समाज की समग्र स्थिरता को भी खतरे में डालते हैं। शांति की संस्कृति को बढ़ावा देने, जिम्मेदार वैश्विक नागरिकों का पोषण करने और सभी के लिए अधिक न्यायपूर्ण, समावेशी और टिकाऊ भविष्य बनाने के लिए सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए युवाओं को आवश्यक कौशल से लैस करना महत्वपूर्ण है। विश्व युवा कौशल दिवस युवाओं की क्षमता को पहचानने, उन्हें चुनौतियों का सामना करने तथा शांतिपूर्ण, समृद्ध और टिकाऊ भविष्य में योगदान देने के लिए कौशल और अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्धता पर जोर देता है। दरअसल तीव्र गति से विकसित होती प्रौद्योगिकी और नौकरी बाजार की निरंतर विकसित होती प्रकृति को देखते हुए युवाओं को अनुकूलनीय और बहुमुखी कौशल सैट के साथ सशक्त बनाना बहुत महत्वपूर्ण हो गया है। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुतारेस का कहना है कि न केवल आज बल्कि हर दिन शिक्षा को बदलने के लिए काम करते हुए यह सुनिश्चित करने के भी प्रयास होने चाहिएं कि युवाओं के पास वह सब कुछ हो, जो उनके लिए अधिक शांतिपूर्ण, टिकाऊ भविष्य को आकार देने और उनके कौशल को विकसित करने के लिए आवश्यक है। अब चूंकि विभिन्न उद्योगों में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस तकनीकों का तेजी से उपयोग कार्य के परिदृश्य को बदल रहा है, इसलिए भविष्य की नौकरियों के लिए युवाओं को तैयार करने हेतु उन्हें आवश्यक एआई कौशल से लैस करना बेहद महत्वपूर्ण हो गया है।

प्रधानमंत्री मोदी को मिले पुरस्कारों पर गार्जियन की हताशा

दा गार्जियन अखबार ने मोदी और भारत की छवि धूमिल करने के लिए एक अंग्रेजी मे एक लेख लिखा। जिसका सारांश यह है कि कोई झूठे भी पुरस्कार देने के लिए बुलाए तो प्रधानमंत्री मोदी दौड़े दौड़े चले जाते हैं। मतलब यह अखबार कहना चाह रहा कि मोदी पुरस्कार के भूखे हैं, साथ ही यह भी जताने की कोशिश कर रहा है, जिन देशों ने मोदी को उनकी विदेश यात्रा के दौरान पुरस्कार दिए, उनकी कोई प्रतिष्ठा नहीं हैं। इसके अलावा प्रधानमंत्री मोदी को इन देशों ने फिजूल में पुरस्कार दिए हैं। गार्जियन ने यह लेख लिख कर मोदी सहित भारत का तो अपमान किया ही है, साथ मोदी को पुरस्कार देने वाले उन देशों के नागरिकों, पुरस्कारों और उन देशों के राष्ट्रप्रमुखों का भी अपमान किया है।

इस लेख की भड़ास के बावजूद पीएम मोदी को पुरस्कारों का सिलसिला थम नहीं रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इंडोनेशिया के सर्वोच्च सम्मान ह्यबिंतांग आदिपूर्णा ऑफ द रिपब्लिक ऑफ इंडोनेशियाह्ण मेडल ऑफ ऑनर से सम्मानित किया गया। यह सम्मान पीएम मोदी की इंडोनेशिया यात्रा के दौरान राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने प्रदान किया। वर्ष 2016 से अब तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एशिया, यूरोप, अफ्रीका और अमेरिका के देशों से ऐसे 34 सम्मान मिल चुके हैं। यह किसी भी भारतीय प्रधानमंत्री को मिले सम्मानों में सबसे अधिक हैं। इनमें से कुछ सम्मान सदियों पुराने हैं, जबकि कुछ सम्मान संबंधित देशों की सम्मान प्रणाली में हाल ही में शामिल किए गए हैं।

गार्जियन का यह लेख में भारत की छवि को नुकसान पहुंचाने का कुत्सित प्रयास है। विश्व का बड़ा और प्रभावशाली शायद ही कोई देश बचा होगा जिसके प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति ने मोदी और भारत की तारीफ नहीं की होगी। दरअसल यह तारीफ पाश्चात्य मीडिया पचा नहीं पा रहा है, पचा इसलिए भी नहीं पा रहा है कि भारत न सिर्फ घरेलू स्तर पर बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी तरक्की के झंडे गाढ़ रहा है। चंद्रयान और मंगलयान मिशन की कामयाबी इसके बड़े उदाहरण हैं। जो विकसित देश भी हासिल नहीं कर सके। यह अखबार यह भी भूल गया कि जब कोरोना काल में पूरी दुनियां में हाहाकार मचा हुआ था, तब भारत ने ही कोरोना वैक्सीन दर्जनों देशों को निशुल्क भेज कर करोड़ों लोगों की जाने बचाने का काम किया था। क्या ऐसे परोपकारी कार्यों के लिए उन्हें विदेशी पुरस्कार नहीं दिया जा सकता।

गार्जियन ने इसका जिक्र कभी नही किया कि विश्व को मोदी नेतृत्व में भारत ने क्या–क्या दिया है। भारत की यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस जैसी सस्ती और सुलभ डिजिटल पेमेंट प्रणाली नेपाल, भूटान, सिंगापुर, यूएई और मॉरीशस ने अपना लिया है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस भारत की प्राचीन धरोहर योग को मोदी सरकार के प्रयासों से वैश्विक मान्यता मिली?संयुक्त राष्ट्र द्वारा हर वर्ष 21 जून को 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' के रूप में मनाया जाता है। मोदी सरकार के प्रयासों से ही अफ्रीकी संघ को जी-20 का स्थायी सदस्य बनाया गया।

भारत ने प्राकृतिक आपदा के दौरान विश्व के देशों के साथ कंधे से कंधा मिला कर खड़ा रहा है। तुर्किये और सीरिया में आए भूकंप के दौरान'मिशन सागर'और'ऑपरेशन दोस्त'के जरिए विश्व स्तर पर मानवीय सहायता पहुंचाई गई। वेनेजुएला में विनाशकारी भूकंप के बाद ऑपरेशन अमिस्ताद के तहत बचाव दल और पोर्टेबल अस्पताल भेजे गए। म्यांमार में ऑपरेशन ब्रह्मा (2025) और ऑपरेशन सहायता (2008) के तहत भूकंप व चक्रवात के दौरान भारी राहत सामग्री व चिकित्सा सुविधाएँ दी गईं। श्रीलंका में सुनामी (2004) में ऑपरेशन रेनबो और चक्रवात (2025) में ऑपरेशन सागर बंधु के माध्यम से सहायता प्रदान की गई।

भारतीय नौसेना ने हालिया समुद्री सुरक्षा अभियानों (मुख्य रूप से अरब सागर और अदन की खाड़ी) में 520 से अधिक लोगों की जान बचाई है और ईरान, लाइबेरिया, माल्टा, और सेंट विंसेंट एंड द ग्रेनाडाइन्स जैसे विभिन्न देशों के झंडे वाले जहाजों को समुद्री लुटेरों से सुरक्षित मुक्त कराया है। इन अभियानों की सबसे बड़ी खासियत यह रही है कि नौसेना ने बिना किसी राष्ट्रीय भेदभाव के, पाकिस्तानी और ईरानी नागरिकों सहित कई देशों के नाविकों को भी बचाया है।

गार्जियन खासकर विदेशी मीडिया को कथित मानवाधिकारों के उल्लंघन पर भारी परेशानी है। भारत में उन्हें यह उल्लंघन नजर आता है। अंग्रेजों ने भारत पर 200 साल राज किया। अंग्रेज शासकों ने इस अवधि में भारतीयों पर अत्याचारों के सारे रिकार्ड तोड़ दिए। अंग्रेज व्यापारी बन कर आए और तानाशाह बन बैठे, खूब लूट खसौट की और भारत से सारा मालमत्ता समेट कर चंपत हो गए। आज भी कोहिनूर का हीरा इन्हीं अंग्रेजों के पास है, जो यह बताता है कि किस तरह इन्होंने भारत में लूटपाट मचाई थी। ऐसे मानवाधिकारों के उल्लंघन गार्जियन जैसे अखबारों को दिखाई नहीं देते। मानवाधिकारों के इन विदेशी पैरोकारों को जलियांवाला बाग दिखाई नहीं देता, जहां निहत्थे प्रदर्शकारियों को चारों तरफ से घेर कर एक अंग्रेज अधिकारी डायर ने गोलियों से भून डाला था।

गार्जियन को यह कभी दिखाई नहीं दिया कि किस तरह केंद्र सरकार ने मुसलमानों की भलाई का एक ऐतिहासिक काम किया, जिसे करने से पूर्ववर्ती प्रधानमंत्री डरते रहे। देश की करोड़ों मुस्लिम महिलाओं को तलाक के बाद मिलने वाला कानून हक दिलवाया है। जिन्हें पहले पति तीन बार तलाक तलाक बोल कर धक्के खाने के लिए छोड़ दिया जाता था।कांग्रेस ने मुसलमानों के वोट के डर से सुप्रीम कोर्ट के शाह बानों के फैसले को ही पलट दिया था, जिसमें कोर्ट ने गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया था, इसके खिलाफ तत्कालीन कांग्रेस सरकार के प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने कानून बना दिया था।

विदेशी अखबारों को तकलीफ हो रही है कि मोदी राज में कैसे मानवाधिकारों का उल्लंघन हो रहा है, जब भारत ने ऐसे आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया तब खीझ उतारने के लिए कह दिया कि मोदी पुरस्कार के लिए दौड़े चले आते हैं। जिला स्तर, वार्ड स्तर, राज्यस्तर या राष्ट्रीय स्तर पर सरकारी और निजी क्षेत्र में पुरस्कार के लिए कितने पापड़ बेलने पड़ते हैं, इन्हें पाने के लिए लोग अपनी पूरी उम्र खपा देते हैं। उसमें भी जबरदस्त प्रतिस्पर्धा होती है, तब कहीं जाकर किसी एक का चयन किया जाता है।

ऐसे में देशों द्वारा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दिये जाने वाले पुरस्कार का मापदंड कितने कठोर होगा, इसकी कल्पना ही की जा सकती है। इन पुरस्कारों में पुरस्कार देने वाली सरकार के साथ उन देशों के करोड़ों लोगों की भावनाएं भी जुड़ी होती हैं। चलो मान भी लिया जाए कि किसी एक देश ने भारत से कुछ फायदा लेने के लिए कोई पुरस्कार दे दिया होगा, पर मोदी को तो दर्जनों देशों के सर्वोच्च पुरस्कार मिले हैं, तो क्या इन सब देशों को मोदी फायदा पहुंचाएंगी, वो भी सिर्फ एक पुरस्कार के कारण, यदि ऐसा हुआ होता ना तो अब तक देश में तूफान आ जाता, कांग्रेस ओर विपक्षी दलों ने आसमान सिर पर उठा लिया होता। गार्जियन का यह लेख सिर्फ हताशा ही प्रकट करता है, इससे पहले भी इसी तरह के विदेशी अखबारों में लेखों के जरिए भारत की छवि और विकास की तरफ बढ़ते कदमों को रोकने का असफल प्रयास किया जाता रहा है।

विश्व युवा कौशल दिवस पर रोजगार मेला, 187 युवाओं का चयन

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमार:- उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के निदेर्शानुसार विश्व युवा कौशल दिवस के उपलक्ष्य में नारायणी स्वरूप दया प्रा० आई०टी०आई० नारंगपुर जोया में भव्य रोजगार मेला आयोजित किया गया। मेले में 13 विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधियों ने साक्षात्कार लिए, जिनमें कुल 187 अभ्यर्थियों का चयन किया गया। इस रोजगार मेले में 343 अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया। रोजगार मेले का शुभारंभ पूर्व माटी कला बोर्ड अध्यक्ष ओमप्रकाश गोला ने फीता काटकर किया। समारोह को संबोधित करते हुए गोला ने कहा कि चयनित युवाओं को नियुक्ति मिलने वाली कंपनी में अवश्य ज्वाइन करना चाहिए। यह आपकी पहली कंपनी हो सकती है, लेकिन अंतिम नहीं। अनुभव के साथ आपको बेहतर जिम्मेदारियां और अवसर मिलेंगे।

इस अवसर पर राहुल कृष्ण शर्मा, जिला समन्वयक एवं नोडल प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई अमरोहा ने उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन की योजनाओं तथा आईटीआई प्रशिक्षण के फायदों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। सचिन आर्या, प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई गजरौला ने अप्रेंटिसशिप योजना और पीएम इंटर्नशिप योजना की जानकारी दी। डॉ. सुशील कुमार, जिला सेवायोजन अधिकारी ने युवाओं को कैरियर काउंसलिंग प्रदान की। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन, राजकीय आईटीआई और जिला सेवायोजन कार्यालय के कर्मचारियों ने मेले को सफल बनाने में पूर्ण सहयोग दिया। यह रोजगार मेला स्थानीय युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

हसनपुर पुलिस ने चोरी की इनोवा और 23.90 लाख बरामद, चालक समेत 2 गिरफ्तार

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना हसनपुर पुलिस ने वाहन सहित लाखों की नकदी चोरी के मामले का 24 घंटे में खुलासा कर दिया। पुलिस ने चोरी की गई इनोवा कार और 23 लाख 90 हजार की नकदी बरामद कर 2 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। एसपी लखन सिंह यादव के निर्देशन और सीओ हसनपुर पंकज त्यागी के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक राजेश तिवारी के नेतृत्व में पुलिस ने यह कार्रवाई की। मु0अ0सं0 415/2026 के तहत दर्ज मुकदमे के अनुसार वादी की DL5CU9899 नंबर इनोवा में रखी बड़ी रकम को चालक लेकर फरार हो गया था। वादी की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस टीम गठित की गई। एसओजी और सर्विलांस टीम की मदद से सोमवार को दोनों अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। उनकी निशानदेही पर 23 लाख 90 हजार और चोरी की इनोवा कार बरामद की गई। पुलिस पूछताछ में मुख्य अभियुक्त मनोज गुप्ता ने बताया कि वह अपने मालिक के यहां चालक था। शादी के लिए पैसे की जरूरत होने पर उसने वाहन में रखी नकदी चोरी करने की योजना बनाई। घटना के बाद वह कार को गजरौला क्षेत्र में छोड़कर पैसे लेकर भाई कमल गुप्ता के पास पहुंच गया। दोनों ने मिलकर रकम किराये के मकान में छिपा दी थी। खबर लिखे जाने तक पुलिस द्वारा दोनों भाइयों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जा रहा था।

शराब पीकर कार चलाने वाला पुलिसकर्मी गिरफ्तार, कई लोगों को कुचला, जेल भेजा

अमरोहा (सब का सपना):- अमरोहा पुलिस ने शराब के नशे में तेज रफ्तार कार चलाकर कई लोगों को घायल करने वाले हेड कांस्टेबल संजीव कुमार तोमर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। एसपी ने आरोपी को तत्काल निलंबित कर विभागीय जांच भी शुरू कर दी है। सोमवार को थाना डिडौली क्षेत्र में नशे में धुत हेड कांस्टेबल संजीव तोमर ने लापरवाही से कार चलाते हुए कई लोगों को टक्कर मार दी। वह रिजर्व पुलिस लाइन्स अमरोहा में तैनात है और मूल रूप से ग्राम डिडौली का निवासी है। पहले उसने ग्राम डिडौली में लोगों को टक्कर मारी और मौके से फरार हो गया। इसके बाद ग्राम हरियाना के पास उसने बाइक सवार 2 लोगों को भी कार से रौंद दिया, जो गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। डिडौली मामले में मु0अ0सं0 289/2026 धारा 109(1)/324/352 बीएनएस और हरियाना मामले में मु0अ0सं0 290/2026 धारा 281/125 (बी)/324(4) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया। घटना में प्रयुक्त कार को भी सीज कर दिया गया है। एसपी अमरोहा ने इस घटना को गंभीरता से लेते हुए आरोपी हेड कांस्टेबल को निलंबित कर दिया और विभागीय कार्यवाही के आदेश दिए हैं।

पुलिस ने कहा कि कानून सबके लिए बराबर है। पुलिसकर्मी द्वारा भी कानून तोड़े जाने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

जुझारपुर प्राथमिक विद्यालय में किया गया पौधारोपण, बच्चों ने लिए पर्यावरण संरक्षण के संकल्प

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के विकासखंड गंगेश्वरी के प्राथमिक विद्यालय जुझारपुर में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय परिवार और बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य सुभाष चंद्र, सहायक अध्यापक मनीष कुमार सागर, शिक्षामित्र गनेशी सिंह सहित सभी छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। पौधारोपण के दौरान बच्चों को पर्यावरण संरक्षण और वृक्षों के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। प्रधानाचार्य ने कहा कि हर छात्र एक पौधे को गोद लेकर उसकी देखभाल करे, तभी हमारा पर्यावरण स्वच्छ और सुंदर बन सकेगा। कार्यक्रम के अंत में सभी ने हरे-भरे और स्वस्थ पर्यावरण के लिए मिलकर काम करने का संकल्प लिया।

लापरवाह शिक्षकों पर चला बेसिक शिक्षा अधिकारी का हंटर

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में बेसिक शिक्षा विभाग की सख्ती जारी है। बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. मोनिका ने मंगलवार को विकास खण्ड जोया एवं अमरोहा क्षेत्र के पाँच विद्यालयों का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण में अधिकांश विद्यालयों की हालत संतोषजनक नहीं पाई गई। प्राथमिक विद्यालय हमीदपुरा और हुसैनपुरा में छात्र-छात्राओं का शैक्षिक स्तर असंतोषजनक पाया गया। दोनों विद्यालयों के परिसर में साफ-सफाई का अभाव था तथा कक्षा कक्षों में केवल एक-एक पंखा संचालित मिला, जबकि विभागीय नियमों के अनुसार दो-दो पंखे लगाने के आदेश हैं। प्रधानाध्यापकों को स्पष्टीकरण देने के निर्देश दिए गए। कम्पोजिट विद्यालय गुलड़िया में टीएलएम का प्रयोग नहीं हो रहा था। जर्जर भवनों की बैरिकेटिंग न होने और ध्वस्त भवनों के कारण परिसर खुला पड़ा मिला, जिससे बच्चों की सुरक्षा को खतरा है। चहारदीवारी की रंगाई-पुताई भी अधूरी थी। कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय अमरोहा देहात में कक्षा कक्ष की खिड़कियों में फाइबर टूटी हुई मिली। ओपन जिम का उपयोग नहीं हो रहा था और परिसर में साफ-सफाई का अभाव था। शेर सिंह डेढ़ महीने से अनुपस्थित हैं। नगर अमरोहा स्थित कस्तूरबा विद्यालय में निरीक्षण के समय छात्राएँ इधर-उधर घूम रही थीं और शिक्षण कार्य बंद पाया गया। निमार्णाधीन शौचालय अनुमति के बिना दीवार पर बनाया गया। सभी संबंधित प्रधानाध्यापकों और वार्डेन को कमियों को दूर करने तथा स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

बरसात के तेज बहाव से कटा ढबरासी-भीमा-निर्यावली मार्ग, हादसे का अंदेशा

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के तहसील हसनपुर क्षेत्र के ढबरासी, भीमा, निर्यावली मार्ग पर बरसात के पानी के तेज बहाव से सड़क जगह-जगह से कट गई है। मार्ग पर बड़े-बड़े गड्ढे और कटान होने से राहगीरों के लिए हर समय जान का खतरा बना हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बारिश होते ही इस मार्ग की हालत खराब हो जाती है। सड़क पर पानी भर जाने से गड्ढे दिखाई नहीं देते, जिससे दोपहिया वाहन चालक गिरकर चोटिल हो रहे हैं। इस मार्ग से क्षेत्र के कई गांवों के छात्र, किसान और राहगीर रोजाना आते-जाते हैं। ग्रामीणों ने लोक निर्माण विभाग से मांग की है कि जल्द मरम्मत कराकर गड्ढे भरे जाएं, ताकि कोई बड़ा हादसा होने से बचाया जा सके।

आईटीआई सत्र 2026-27 के लिए ऑनलाइन आवेदन शुरू

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमार:- जनपद के राजकीय एवं निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। टाटा टेक्नोलॉजी के सहयोग से अमरोहा एवं गजरौला स्थित राजकीय आईटीआई में 6 जिसमें मुख्य रूप से इंडस्ट्रियल , मैकेनिक, इलेक्ट्रिक व्हीकल, एडवांस सीएनसी मशीनिंग दीर्घकालीन व्यवसायों में प्रशिक्षण सत्र प्रारंभ हो गया है। राजकीय आईटीआई अमरोहा के नोडल प्रधानाचार्य राहुल कृष्ण शर्मा ने बताया कि इच्छुक अभ्यर्थी ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन की प्रक्रिया वेबसाइट www.scvtup.in पर उपलब्ध है। वहीं आवेदन के लिए अभ्यर्थियों को सबसे पहले वेबसाइट खोलकर "anline Submission of Application for Admission for Session 2026-27 (For Government/PrivÔte ITI)" लिंक पर क्लिक करना होगा। आवेदन से पहले मोबाइल नंबर का OTP आधारित सत्यापन अनिवार्य है। फॉर्म भरने के बाद प्रीव्यू पृष्ठ पर 'Proceed For Payment' लिंक के माध्यम से शुल्क का ऑनलाइन भुगतान करना होगा। भुगतान इंटरनेट बैंकिंग, UPI, डेबिट/क्रेडिट कार्ड से किया जा सकता है। जिसमें आवेदन शुल्कः सामान्य/पिछड़ा वर्ग : 300 अनुसूचित जाति/जनजाति : 150 समस्त महिला अभ्यथी : 100 ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 4 अगस्त 2026 (रात्रि 12 बजे) तक है। फॉर्म में त्रुटि सुधार के लिए 48 घंटे का समय दिया जाएगा। विस्तृत विवरणी वेबसाइट पर उपलब्ध है, जिसे अभ्यर्थी डाउनलोड या प्रिंट कर सकते हैं। इस अवसर पर नोडल प्रधानाचार्य राहुल कृष्ण शर्मा ने युवाओं से अपील की कि वे समय रहते ऑनलाइन आवेदन कर कौशल विकास के बेहतर अवसर प्राप्त करें।

किरतपुर में कथित हर्ष फायरिंग का वीडियो वायरल

बिजनौर (सब का सपना):- जिले में सोशल मीडिया पर एक युवक द्वारा कथित तौर पर हर्ष फायरिंग किए जाने का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। बताया जा रहा है कि वायरल वीडियो किरतपुर थाना क्षेत्र का है। वीडियो में एक युवक कथित तौर पर फायरिंग करता हुआ दिखाई दे रहा है। हालांकि, इस वायरल वीडियो की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। पुलिस का कहना है कि वायरल वीडियो की जांच की जा रही है और जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस वीडियो ने इलाके में चचाओं का बाजार गर्म कर दिया है। वीडियो को किरतपुर थाना क्षेत्र का बताया जा रहा है, जिसमें एक युवक कथित तौर पर हर्ष फायरिंग करता नजर आ रहा है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि वीडियो कब का है और किस अवसर पर बनाया गया। पुलिस ने मामले का संज्ञान लेते हुए वीडियो की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि वीडियो की सत्यता की पुष्टि के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत परिणय सूत्र में बंधे 260 जोड़े

अमरोहा (सब का सपना):- मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत अतरासी रोड जोया में स्थित एक निजी बैंक्वेट हॉल में आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में मुख्य अतिथि राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), माध्यमिक शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश गुलाब देवी की अध्यक्षता और विशिष्ट अतिथि सांसद कंवर सिंह तंवर, शिक्षक विधायक डॉ० हरि सिंह ढिल्लो, विधायक धनौरा राजीव तरारा , जिलाधिकारी डॉ0 नितिन गौड़, मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, पार्टी पदाधिकारी, प्रशासनिक व जिलास्तरीय अधिकारियों द्वारा 260 नव दंपतियों को पुष्पवर्षा करते हुए आशीर्वाद प्रदान कर उनके सुखमय वैवाहिक जीवन की कामना की। राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), माध्यमिक शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश गुलाब देवी ने अपने संबोधन में कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के माध्यम से सरकार जरूरतमंद परिवारों की बेटियों का सम्मानपूर्वक विवाह करा रही है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में कन्यादान का विशेष महत्व है, लेकिन आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए बेटियों का विवाह कराना एक बड़ी जिम्मेदारी होती है। ऐसे परिवारों की चिंता दूर करने के लिए प्रदेश सरकार यह योजना संचालित कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार बेटियों को शिक्षा के साथ-साथ उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए भी निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत नवविवाहित जोड़ों को एक लाख की आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि इतने भव्य एवं गरिमामय वातावरण में विवाह समारोह का आयोजन होना अत्यंत सौभाग्य की बात है। गुलाब देवी ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री सभी वर्गों तक बिना किसी भेदभाव और पक्षपात के जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचा रहे हैं। उन्होंने सभी नवविवाहित जोड़ों को शुभकामनाएं देते हुए आपसी प्रेम, विश्वास और सम्मान के साथ सुखी वैवाहिक जीवन व्यतीत करें। राज्यमंत्री ने कहा कि आज इस आयोजन में एक ही मंच पर विभिन्न धर्मों और समुदायों के विवाह सम्पन्न होना उत्तर प्रदेश सरकार की सामाजिक समरसता, सद्भाव और "सबका साथ, सबका विकास" की भावना का जीवंत उदाहरण है। उन्होंने जिला प्रशासन एवं आयोजन से जुड़े सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को सफल आयोजन के लिए बधाई देते हुए नवविवाहित जोड़ों के सुखद, समृद्ध एवं मंगलमय दांपत्य जीवन की शुभकामनाएं दीं। जिलाधिकारी डॉ0 नितिन गौड़ ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों का आभार प्रकट करते हुए बताया कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत सरकार द्वारा 01 लाख रुपए का वहन किया जाता है जिसमें से 64 हजार रुपए कन्या बैंक खाते में, 21 हजार रुपए की उपहार सामग्री और 15 हजार रुपए वैवाहिक व खान-पान व्यवस्था पर खर्च किए जाते हैं। उन्होंने कहा यह आयोजन सामूहिक और सामाजिक एकता को मजबूत करने का माध्यम है। अध्यक्ष नगर पालिका परिषद अमरोहा शशि जैन ने नव विवाहित युगल को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए सुखमय वैवाहिक जीवन की कामना की। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, अतुल चौधरी, जिला समाज कल्याण अधिकारी पंखुड़ी जैन सहित पार्टी पदाधिकारी और जिला स्तरीय अधिकारी और नव विवाहित युगल के परिजन उपस्थित रहे।

जल संसाधन मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने शेरकोट खौ बैराज पर किया पौधारोपण, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

बिजनौर (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश सरकार के जल संसाधन मंत्री स्वतंत्र देव सिंह मंगलवार को जनपद बिजनौर के शेरकोट खौ बैराज पहुंचे। यहां उन्होंने 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान भाजपा नेता रणजीत सिंह दारा ने मंत्री का गर्मजोशी से स्वागत किया। मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए और उसकी देखभाल की जिम्मेदारी भी निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि पौधे केवल हरियाली ही नहीं बढ़ाते, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ वातावरण और बेहतर भविष्य का आधार भी हैं। इस अवसर पर बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकताओं और स्थानीय लोगों ने भी पौधारोपण किया तथा पौधों के संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने अभियान को सफल बनाने और अधिक से अधिक लोगों को इससे जोड़ने का आह्वान किया। मंत्री के दौरे को लेकर शेरकोट क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम किए गए। शेरकोट पुलिस पूरी तरह अलर्ट रही और कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रही। मंत्री के आगमन से लेकर कार्यक्रम समाप्त होने तक पुलिस प्रशासन पूरी मुस्तैदी के साथ तैनात रहा।कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ।

मुख्य विकास अधिकारी को भेंट की गई केनरा बैंक आरसेटी की वार्षिक पत्रिका

बहजोई/संभल (सब का सपना): जनपद में केनरा बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) बहजोई के निदेशक अनुपम कुमार गुप्ता ने मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट से शिष्टाचार भेंट कर संस्थान की वार्षिक पत्रिका भेंट की। इस दौरान उन्होंने संस्थान द्वारा वर्षभर संचालित स्वरोजगार एवं कौशल विकास कार्यक्रमों की जानकारी साझा की।

निदेशक अनुपम कुमार गुप्ता ने बताया कि आरसेटी युवाओं, महिलाओं तथा ग्रामीण क्षेत्रों के इच्छुक लोगों को विभिन्न व्यवसायों से संबंधित निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि वार्षिक पत्रिका में संस्थान की प्रमुख उपलब्धियों, सफल प्रशिक्षुओं की प्रेरक सफलता की कहानियों और वर्षभर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विस्तृत विवरण शामिल किया गया है। मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट ने संस्थान के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि ग्रामीण युवाओं को कौशल प्रशिक्षण देकर स्वरोजगार से जोड़ना समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आरसेटी इस दिशा में सराहनीय कार्य कर रहा है और जिला प्रशासन की ओर से संस्थान को भविष्य में भी हरसंभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। इस अवसर पर कौशल विकास, ग्रामीण आजीविका संवर्धन तथा स्वरोजगार के नए अवसरों को बढ़ावा देने के संबंध में भी विस्तार से चर्चा की गई। दोनों अधिकारियों ने अधिक से अधिक युवाओं को प्रशिक्षण से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने पर बल दिया।

एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत केमिस्ट एसोसिएशन ने किया वृक्षारोपण

संभल (सब का सपना):- जनपद में वृक्षारोपण महायज्ञ-2026 के अंतर्गत संचालित एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत सरवर हुसैन इंटर कॉलेज, नूरियो सराय में केमिस्ट एसोसिएशन द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, हरित भविष्य और अधिक से अधिक लोगों को पौधारोपण के लिए प्रेरित करना रहा। इस अवसर पर एसोसिएशन के पदाधिकारियों और विद्यालय परिवार ने परिसर में पौधे रोपित किए तथा उनके संरक्षण का संकल्प लिया। केमिस्ट एसोसिएशन के महामंत्री अजय कुमार शर्मा ने कहा कि

वृक्षारोपण केवल एक अभियान नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और सुरक्षित पर्यावरण देने की हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी नागरिकों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का आह्वान किया। सिल्वेंजा हॉस्पिटल के संचालक डॉ. इसरार अहमद ने कहा कि एक पौधा हमारे जीवन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। पौधे न केवल शुद्ध वायु प्रदान करते हैं, बल्कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने और स्वस्थ जीवन सुनिश्चित करने में भी अहम भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य शबाब आलम, डॉ. इसरार अहमद, अजय कुमार शर्मा, मो. शहनवाज आलम (कोषाध्यक्ष), शिराज अहमद, असलम खान, सुहैल हसन, आरिफ अल्वी, तालिब हुसैन, नदीम अल्वी सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा। सभी ने पर्यावरण संरक्षण के लिए नियमित रूप से पौधारोपण करने और लगाए गए पौधों की देखभाल करने का संकल्प लिया।

पुस्तक मेले का आयोजन, विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ खरीदीं एनसीईआरटी की पुस्तकें

संभल (सब का सपना):- जनपद के जिला विद्यालय निरीक्षक के निर्देशन में मंगलवार को शंकर भूषण शरण जनता इंटर कॉलेज, में पुस्तक जागरूकता एवं सुलभता शिविर (पुस्तक मेला) का आयोजन किया गया। मेले का उद्देश्य माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा संचालित कक्षा 9 से 12 तक की एनसीईआरटी एवं अन्य पाठ्यपुस्तकों की उपलब्धता सुनिश्चित करना तथा विद्यार्थियों में पुस्तकों के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। कार्यक्रम में जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय की ओर से प्रतिनिधि जुबैर आलम एवं वेअन्त सिंह उपस्थित रहे। पुस्तक मेले का संचालन मेला प्रभारी एवं प्रधानाचार्य नरेन्द्र सिंह वर्तवाल, प्रधानाचार्या करिश्मा सिंह तथा प्रधानाचार्या डॉ. कुमुद दुबे की देखरेख में किया गया। शहर के प्रमुख पुस्तक विक्रेताओं रस्तौगी बुक डिपो और अग्रवाल पुस्तक मंदिर सहित अन्य विक्रेताओं ने अपने-अपने स्टॉल लगाए। मेले में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने विभिन्न विषयों की पुस्तकों का अवलोकन किया और उत्साहपूर्वक अपने पाठ्यक्रम की एनसीईआरटी पुस्तकों की खरीदारी की। इस दौरान विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराने के साथ-साथ नियमित अध्ययन के लिए भी प्रेरित किया गया। पुस्तक मेले में राजकीय कन्या इंटर कॉलेज, श्री भारत उमेद राय इंटर कॉलेज, ब्रज रतन सहायता प्राप्त कन्या इंटर कॉलेज, हिंद इंटर कॉलेज, आचार्य मुक्तेश हकीम रईस इंटर कॉलेज, शंकर भूषण शरण जनता इंटर कॉलेज, जिया-उल-उलूम इंटर कॉलेज सरायतरीन, बीडी इंटर कॉलेज तथा जीजीआईसी सरायतरीन सहित विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की। कार्यक्रम में रूवेद आलम, सतेन्द्र शुक्ला, मनीष, नीरज सिंह, रामौतार, मधु, निशा सक्सैना, अरबीना, प्रधानाचार्या संजना गुप्ता सहित अनेक शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रहीं। वहीं आयोजन को सफल बनाने में विद्यालय के डॉ. टेकचंद, मनोज कुमार गुप्ता, मनोज कुमार भास्कर, वेदप्रकाश, मुकेश शर्मा, जयप्रीत सिंह, अतुल, अशोक कुमार, सुधा सैनी, इन्द्रा रस्तौगी, सीता एवं ऋतु शर्मा सहित समस्त स्टाफ ने सक्रिय सहयोग दिया। कार्यक्रम के मीडिया प्रभारी के रूप में नरेन्द्र सिंह सोलंकी ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सार्वजनिक नलकूप ध्वस्तीकरण पर सभासद ने एसडीएम से मांगी निष्पक्ष जांच

संभल (सब का सपना):- नगर पालिका परिषद संभल के नामित सभासद सय्यद शान अली ने वार्ड संख्या 30-15 स्थित जिलानी स्कूल के सामने वर्षों पुराने सार्वजनिक नलकूप को हटाए जाने के मामले में अनियमितता का आरोप लगाते हुए उप जिलाधिकारी को शिकायती पत्र सौंपकर जांच एवं कार्रवाई की मांग की है। शिकायत में कहा गया है कि उक्त नलकूप वर्ष 2019 तक संचालित रहा और आज भी नगर पालिका की संपत्ति रजिस्टर में दर्ज है। आरोप है कि जिलानी मदरसे की सुंदरता प्रभावित होने का हवाला देते हुए मदरसा प्रबंधन की मांग पर नगर पालिका ने कथित मिलीभगत के

तहत नलकूप को चबूतरा दर्शाकर उसके सौंदर्यीकरण के नाम पर 22 नवंबर 2025 को टेंडर जारी कर दिया। सभासद का आरोप है कि जब पहली बार नलकूप तोड़ा जाने लगा तो स्थानीय लोगों के विरोध के चलते कार्य रोक दिया गया था। इसके बावजूद हाल ही में ठेकेदार ने दोबारा नलकूप को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया और लगभग 40 से 50 हजार ईंटें तथा नलकूप का अन्य सामान अपने साथ ले गया। शिकायत के अनुसार नियमानुसार यह सामग्री नगर पालिका में जमा होनी चाहिए थी, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। सय्यद शान अली ने आरोप लगाया कि इस पूरे प्रकरण में मदरसा प्रबंधन, नगर पालिका और ठेकेदार के बीच मिलीभगत की आशंका है। उन्होंने उप जिलाधिकारी से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने तथा सरकारी संपत्ति के दुरुपयोग की जांच कराने की मांग की है। इस अवसर पर सय्यद शान अली नामित सभासद उत्तर प्रदेश सरकार नगर पालिका परिषद सम्भल,शकील रहमान मलिक,मुशिंद उस्मानी, कासिम हुसैन,सहित कई लोग मौजूद रहे।

रंगदारी और दहेज हत्या के दो मामलों में महिला सहित तीन आरोपी गिरफ्तार

चन्दौसी/संभल(सब का सपना):- थाना पुलिस ने अलग-अलग मामलों में प्रभावी कार्रवाई करते हुए रंगदारी मांगने के एक आरोपी तथा दहेज हत्या के मामले में वांछित दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश कर अग्रिम विधिक कार्रवाई की गई। पहले मामले में 21 जून को डिस्पेंसरी रोड निवासी गिरीश कुमार की तहरीर पर थाना चन्दौसी में मुकदमा दर्ज किया गया था। आरोप था कि अभियुक्तों ने झूठी शिकायतें कर 10 लाख रुपये की रंगदारी मांगी और रकम न देने पर झूठे मुकदमों में फंसाने की धमकी दी। इस मामले में पुलिस ने वांछित आरोपी प्रशांत वशिष्ठ पुत्र पालेन्द्र कुमार शर्मा को गिरफ्तार कर लिया। दूसरे मामले में 4 जुलाई को पंचशील कॉलोनी निवासी रिंकू की तहरीर पर थाना चन्दौसी में दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज हुआ था। शिकायत के अनुसार दहेज की मांग पूरी न होने पर उसकी बहन को मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया गया तथा फांसी के फंदे से लटकाकर उसकी हत्या कर दी गई। इस मामले में पुलिस ने वांछित आरोपी अमरफल पुत्र नौबतराम और मालदेई पत्नी अमरफल को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया। पुलिस का कहना है कि दोनों मामलों में विधिक कार्रवाई जारी है और अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है।

15 दिनों में पंजीकरण कराएं कोचिंग संस्थान, अन्यथा होगी कार्रवाई :-डीएम

बहजोई/संभल(सब का सपना):- कलक्ट्रेट सभागार में मंगलवार को जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल की अध्यक्षता में जनपद में संचालित कोचिंग संस्थानों के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला विद्यालय निरीक्षक सर्वेश कुमार ने अवगत कराया कि जनपद में पूर्व में 12 कोचिंग संस्थान पंजीकृत थे, जबकि वर्तमान में 10 कोचिंग संस्थानों का पंजीकरण प्रभावी है। उन्होंने हाल ही में संबंधित अधिकारियों द्वारा किए गए कोचिंग संस्थानों के निरीक्षण की जानकारी भी जिलाधिकारी को दी। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने जनपद में कोचिंग संस्थानों के कम पंजीकरण पर नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि तहसील स्तर पर संचालित सभी कोचिंग संस्थानों का सत्यापन कराया जाए तथा उनके पंजीकरण के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि जनपद में केवल पंजीकृत कोचिंग संस्थान

ही संचालित हों। फायर एनओसी के संबंध में जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि हाल ही में किए गए निरीक्षणों के आधार पर अग्निशमन अधिकारी से सूची प्राप्त कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कोचिंग संस्थान में सुरक्षित प्रवेश (एंट्री) एवं निकास (एग्जिट) की समुचित व्यवस्था होना अनिवार्य है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि निरीक्षण के दौरान अधिकारियों द्वारा कोचिंग संस्थानों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं की जानकारी भी प्राप्त की जाए। साथ ही प्रत्येक कोचिंग संस्थान में पार्किंग की समुचित व्यवस्था रहे तथा बिना पार्किंग व्यवस्था वाले किसी भी कोचिंग संस्थान का संचालन न होने दिया जाए। उन्होंने कहा कि जनपद में संचालित अपंजीकृत कोचिंग संस्थानों को 15 दिन का अंतिम अवसर दिया जा रहा है। इस अवधि में सभी संस्थान निर्धारित मानकों की पूर्ति करते हुए अपना पंजीकरण अनिवार्य रूप से करा लें। इसके उपरांत यदि कोई कोचिंग संस्थान बिना पंजीकरण के संचालित पाया गया तो उसके विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने यह भी निर्देश दिए कि जिन कोचिंग संस्थानों का हाल ही में निरीक्षण किया गया था और जिनमें निर्धारित मानक पूर्ण नहीं पाए गए थे, वे सभी संस्थान शीघ्र ही आवश्यक मानकों की पूर्ति सुनिश्चित करें। अन्यथा उनके विरुद्ध भी नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। साथ ही प्रत्येक पंजीकृत कोचिंग संस्थान अपने पंजीकरण संख्या को प्रमुख स्थान पर प्रदर्शित करना भी सुनिश्चित करे। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तरुण पाठक, जिला विद्यालय निरीक्षक सर्वेश कुमार ,संगीता भार्गव सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

अवैध मीट कारोबार पर खाद्य सुरक्षा विभाग का शिकंजा, कई दुकानों पर कार्रवाई

चन्दौसी/संभल(सब का सपना):- जिलाधिकारी के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा विभाग की प्रवर्तन टीम ने मंगलवार को चन्दौसी के जारई गेट क्षेत्र में संचालित विभिन्न मीट विक्रय प्रतिष्ठानों का सघन निरीक्षण किया। जांच के दौरान कई दुकानों के खाद्य पंजीकरण एवं लाइसेंस निरस्त पाए गए, जिसके बाद विभाग ने संबंधित दुकानदारों के विरुद्ध कार्रवाई शुरू कर दी। सहायक आयुक्त (खाद्य) मानवेन्द्र सिंह ने बताया कि निरीक्षण के दौरान गोस मियां मीट शॉप, जुल्फिकार मीट शॉप, वाजिद हुसैन मीट शॉप, जुनैद मीट शॉप, गुलाम

मोहम्मद मीट शॉप और नाजिम मीट शॉप के खाद्य पंजीकरण,लाइसेंस निरस्त पाए गए। इसके बावजूद इन प्रतिष्ठानों पर खाद्य कारोबार संचालित किया जा रहा था। सभी संचालकों को तत्काल कारोबार बंद करने के निर्देश दिए गए हैं तथा उनके विरुद्ध न्यायालय में वाद दायर करने की कार्रवाई की जा रही है। निरीक्षण के दौरान नदीम मीट शॉप, अब्दुल लतीफ मीट शॉप, इरफान मीट शॉप और मोहम्मद इसरार मीट शॉप बंद मिलीं।

इन प्रतिष्ठानों पर विभाग की ओर से नोटिस चस्पा किया गया है। नोटिस में निर्देश दिए गए हैं कि विभागीय नियमों के अनुसार निरीक्षण और आवश्यक औपचारिकताएं पूरी होने के बाद ही मीट कारोबार का संचालन किया जाए। खाद्य सुरक्षा विभाग ने स्पष्ट किया कि जनपद में बिना वैध लाइसेंस एवं खाद्य सुरक्षा मानकों का उल्लंघन कर संचालित होने वाले प्रतिष्ठानों के विरुद्ध आगे भी अभियान जारी रहेगा।

बिजनौर में नकली सोना बेचने पहुंचे युवक की पिटाई, सराफा व्यापारी की सतर्कता से ठगी की कोशिश नाकाम

बिजनौर (सब का सपना):- धामपुर थाना क्षेत्र स्थित सराफा बाजार में एक शातिर ठग द्वारा नकली सोने के आभूषण बेचकर लाखों रुपये की ठगी करने का प्रयास किए जाने का मामला सामने आया है। सराफा व्यापारी की सतर्कता के चलते युवक की चालाकी समय रहते पकड़ में आ गई और ठगी की बड़ी वारदात टल गई। जानकारी के अनुसार, एक युवक सराफा बाजार की एक ज्वैलरी दुकान पर पहुंचा और अपने पास मौजूद सोने जैसे दिखने वाले आभूषणों को बेचने की बात कही। युवक ने दावा किया कि उसके पास असली सोने के गहने हैं और वह उन्हें बेचकर नकदी लेना चाहता है। शुरूआत में आभूषण देखने पर वे असली प्रतीत हुए,

लेकिन व्यापारी को उनकी गुणवत्ता और युवक के व्यवहार पर संदेह हो गया। शक होने पर सराफा व्यापारी ने आभूषणों की बारीकी से जांच की। जांच में गहने नकली होने की आशंका गहरा गई। इसके बाद व्यापारी ने अन्य दुकानदारों को बुला लिया और युवक को वहीं रोक लिया। देखते ही देखते मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। आरोप है कि भीड़ ने युवक की जमकर पिटाई कर दी। इसी दौरान वहां मौजूद किसी राहगीर ने पूरी घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वायरल वीडियो में लोगों की भीड़ युवक से पूछताछ करती और उसके साथ मारपीट करती दिखाई दे रही है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस के मौके पर पहुंचने की भी बात सामने आ रही है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और युवक से पूछताछ के आधार पर यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि वह अकेले काम कर रहा था या उसके साथ कोई गिरोह भी सक्रिय है। साथ ही बरामद आभूषणों की भी जांच कराई जा रही है। फिलहाल इस मामले में थाना प्रभारी रविंद्र प्रताप सिंह का कहना है की जांच चल रही है जांच के बाद कार्यवाही की जाएगी या मुकदमा दर्ज होने की पुष्टि का इंतजार है भी पुलिस क्षेत्राधिकारी अंजनी कुमार का कहना है मामला संज्ञान में है जांच कर उचित कार्यवाही की जाएगी।

चाइनीज मांझे के बहिष्कार को व्यापार मंडल का अभियान, सुरक्षित पतंगबाजी की अपील

चन्दौसी/संभल (सब का सपना):- आगामी त्योहारों और पतंगबाजी के सीजन को देखते हुए अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल की युवा इकाई ने जानलेवा चाइनीज मांझे के खिलाफ जनजागरूकता अभियान शुरू किया। नगर अध्यक्ष अनुज वार्ष्णेय अन्नू के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने नगर के प्रमुख बाजारों में व्यापारियों और आम लोगों से संपर्क कर चाइनीज मांझे की खरीद-बिक्री पूरी तरह बंद करने की अपील की। नगर अध्यक्ष अनुज वार्ष्णेय अन्नू ने कहा कि प्लास्टिक और केमिकल युक्त चाइनीज मांझा इंसानों के साथ-साथ बेजुबान पक्षियों के लिए भी बेहद घातक साबित हो

रहा है। आए दिन इस मांझे की चपेट में आने से राहगीरों के घायल होने और गंभीर हादसों की घटनाएं सामने आती हैं। उन्होंने कहा कि कुछ पैसों के मुनाफे के लिए लोगों की जान जोखिम में डालना उचित नहीं है। उन्होंने स्थानीय दुकानदारों और पतंग विक्रेताओं से चाइनीज मांझे का स्टॉक न रखने और उसकी बिक्री पूरी तरह बंद करने की अपील करते हुए सुरक्षित एवं स्वदेशी सूती धागे (सद्दी) को बढ़ावा देने का आह्वान किया। साथ ही चेतावनी दी कि यदि कोई दुकानदार चोरी-छिपे प्रतिबंधित मांझे की बिक्री करता पाया गया तो संगठन प्रशासन से उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करेगा। जिला महामंत्री प्रभात कृष्णा ने अभिभावकों से भी अपील की कि वे अपने बच्चों को चाइनीज मांझे का उपयोग न करने दें और सुरक्षित पतंगबाजी के लिए प्रेरित करें। अभियान के दौरान लकी वार्ष्णेय, रमाकांत शर्मा, निशांत शर्मा, अतुल कश्यप, गोविंद वार्ष्णेय, तस्लीम खान, बिट्टू माली, मारूफ सहित संगठन के कई पदाधिकारी और स्थानीय व्यापारी मौजूद रहे। सभी ने सामूहिक रूप से चाइनीज मांझे का बहिष्कार करने और सुरक्षित पतंगबाजी को बढ़ावा देने का संकल्प लिया।

खबर एक्सप्रेस

इंग्लैंड में पंजाब की बेटी की बेरहमी से हत्या, तरनतारन की किरनदीप कौर को चाकू से गोदा; नस्लीय हमले की आशंका

तरनतारन। यहां से चार किमी दूर गांव पिद्दी निवासी किसान सुखदेव सिंह की बेटी किरनदीप कौर (24) की इंग्लेंड के शहर हेज में अज्ञात लोगों ने चाकू मारकर हत्या कर दी। उक्त घटना शनिवार की शाम की बताई जाती है। घटना का पता चलते ही गांव में माहौल शोकमई हो गया। विस हलका खडूर साहिब के गांव पिद्दी निवासी किसान सुखदेव सिंह व उनकी पत्नी बलजीत कौर ने बताया कि करीब दो वर्ष पूर्व उन्होंने अपनी बेटी किरनदीप कौर को स्टडी वीजे पर इंग्लेंड भेजा था। बेटी को इंग्लेंड भेजने लिए किसान ने अपनी आधा किल्ला जमीन बेची थी। स्टडी के बाद किरनदीप कौर को इंग्लेंड की सिटी हेज स्थित माल में नौकरी मिल गई। वह अपनी ड्यूटी के बाद घर लौटी व किचन में काम करने लगी। इस दौरान अज्ञात लोग घर में दाखिल हुए। जिन्होंने किरनदीप कौर पर चाकूओं से वार किए। गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया गया गंभीर हालत में उसे अस्पताल पहुंचाया गया। अधिक रक्त बहने के कारण किरनदीप कौर की जान नहीं बच सकी। सूचना मिलते ही पुलिस ने युवती का शव कब्जे में लेकर हत्यारों की तलाश शुरू कर दी। मंगलवार की रात को किरनदीप कौर के किसी जान-पहचान वाले ने फोन करके घटना बाबत परिवार को जानकारी दी। मृतका के भाई लवप्रीत सिंह, जगजीवन सिंह व बहन गुरशरन कौर ने बताया कि परिवार का रो-रो कर बुरा हाल है। शनिवार की सुबह ही किरनदीप कौर ने परिवार से वीडियो काल पर बात की थी। यह हत्या नस्ली हमला है या कोई और वजह, यह पता लगाया जाना चाहिए। परिवार ने किरनदीप कौर का शव स्वदेस लाने लिए पंजाब सरकार को गुहार लगाई है। खडूर साहिब के विधायक मनजिंदर सिंह लालपुरा, कांग्रेस के पूर्व विधायक रमनजीत सिंह सिक्की, शिअद के पूर्व विधायक रविंदर सिंह ब्रह्मपुरा, हलका इंचार्ज रमनदीप कौर शेरों, जिला परिषद मेंबर सरपंच अवतार सिंह बिल्ला, भाजपा नेता रमनदीप सिंह भरोवाल, एडवोकेटर यादविंदर सिंह चहल ने उक्त घटना पर शोक जिताते परिवार से संवेदना जाहिर की।

थाईलैंड घूमकर चंडीगढ़ लौटा परिवार, घर का दरवाजा खोलते ही उड़े होश, नकदी व जेवर मिले गायब

चंडीगढ़। मनीमाजरा क्षेत्र में एक परिवार के विदेश यात्रा से लौटने के बाद घर से नकदी और जेवर चोरी हो गई। हैरानी की बात यह है कि घर के किसी भी ताले के टूटने या जबरन प्रवेश के निशान नहीं मिले। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में अंजू सिंगला ने बताया कि वह 30 जून को परिवार के साथ थाईलैंड घूमने गई थी। परिवार 10 जुलाई की रात को वापस लौटा। अगले दिन जब उन्होंने घर का सामान जांचा तो पता चला कि घर से चार ग्राम की सोने की अंगूठी, आधा ग्राम का सोने का लाकेट, चांदी का एक गिलास, एक कटोरी, 14-15 चांदी के सिक्के और 50 हजार रुपये गायब हैं। घर के सभी ताले सही-सलामत मिले और कहीं भी तोड़फोड़ के निशान नहीं थे। सूचना मिलते ही मनीमाजरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है।

चंडीगढ़-नोएडा के बीच इंडिगो की दूसरी सीधी उड़ान शुरू सेवा भी शुरू, सोमवार-मंगलवार को कर सकेंगे यात्रा

चंडीगढ़। ट्राईसिटी के हवाई यात्रियों के लिए 13 जुलाई (सोमवार) से एक और बड़ी सुविधा शुरू हो गई है। इंडिगो ने चंडीगढ़ और नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (जेवर) के बीच अपनी दूसरी सीधी उड़ान सेवा शुरू कर दी है। यह अतिरिक्त उड़ान प्रत्येक सोमवार और मंगलवार को संचालित होगी। इससे पहले एयरलाइन दोनों शहरों के बीच प्रतिदिन एक नियमित सीधी उड़ान का संचालन पहले ही शुरू कर चुकी है। नई अतिरिक्त सेवा शुरू होने से यात्रियों को अधिक विकल्प मिलेंगे और यात्रा पहले से अधिक सुविधाजनक होगी। नई अतिरिक्त सेवा के तहत विमान सोमवार और मंगलवार को सुबह 9:55 बजे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से उड़ान भरकर 10:55 बजे चंडीगढ़ पहुंचेगा। वापसी में यही विमान दोपहर 12:20 बजे चंडीगढ़ से रवाना होकर दोपहर 1:35 बजे नोएडा पहुंचेगा। लगभग एक घंटे की यह हवाई यात्रा यात्रियों का काफी समय बचाएगी और सड़क मार्ग की लंबी यात्रा से राहत देगी। इससे पहले शुरू की गई दैनिक सेवा के तहत इंडिगो की उड़ान रोजाना सुबह 6:10 बजे नोएडा से उड़ान भरकर 7:10 बजे चंडीगढ़ पहुंचती है। वापसी में विमान सुबह 7:30 बजे चंडीगढ़ से रवाना होकर 8:35 बजे नोएडा पहुंचता है। अब अतिरिक्त उड़ान जुड़ने से दोनों शहरों के बीच हवाई संपर्क और मजबूत हो गया है। इन शहरों में रहने वाले लोगों को होगा फायदा हवाई सेवा का सबसे अधिक लाभ चंडीगढ़, मोहाली और पंचकूला के साथ-साथ नोएडा, ग्रेटर नोएडा, यमुना एक्सप्रेसवे क्षेत्र और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के यात्रियों को मिलेगा। कारोबारी, उद्योगपति, विद्यार्थी, नौकरीपेशा लोग और पर्यटक अब अपनी यात्रा की योजना अधिक सुविधा के साथ बना सकेंगे। एयरपोर्ट अधिकारियों का मानना है कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को देश के प्रमुख एविएशन हब के रूप में विकसित किया जा रहा है। ऐसे में चंडीगढ़ को इस एयरपोर्ट से सीधे जोड़ने से क्षेत्रीय हवाई संपर्क को नई मजबूती मिलेगी। साथ ही ट्राईसिटी के यात्रियों की दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर निर्भरता भी कुछ हद तक कम होगी। नई उड़ान सेवा से दिल्ली-एनसीआर और पश्चिमी उत्तर प्रदेश तक पहुंच पहले की तुलना में अधिक तेज, आसान और सुविधाजनक होने की उम्मीद है।

पंजाब पुलिस का सांझ राहत केंद्र, भरोसे और सहायता का मजबूत नेटवर्क; महिलाओं के लिए मददगार

मोहाली। महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शुरू किए गए पंजाब पुलिस के सांझ राहत केंद्र आज एक प्रभावी कम्युनिटी पुलिसिंग मॉडल के रूप में उभरकर सामने आए हैं। ये केंद्र संकटग्रस्त महिलाओं को हर तरह की सहायता, काउंसलिंग, संकट की स्थिति में तत्काल सहायता तथा रिहैबिलिटेशन सेवाएं उपलब्ध करवा रहे हैं। शुरूआत में मोहाली, फतेहगढ़ साहिब, लुधियाना और जालंधर स्थित सांझ राहत केंद्रों में केवल दो प्रशिक्षित काउंसलर तैनात थे। अब इस पहल से कई काउंसलर जुड़ चुके हैं। पिछले दो वर्षों में इन केंद्रों ने 1,656 मामलों की स्क्रीनिंग की है तथा 1,069 मामले दर्ज किए हैं। इस संबंध में पंजाब पुलिस के डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि कुल चार सांझ राहत केंद्र संकटग्रस्त महिलाओं को उनके मानसिक आघात से उबरने और सामान्य जीवन जीने में सहायता प्रदान कर रहे हैं। ऐसी पहल विश्वास और सहयोग पर आधारित जनसुरक्षा के प्रति पंजाब पुलिस की प्रतिबद्धता को दशार्ती हैं। घरेलू हिंसा से पीड़ित की समय रहते मदद डीजीपी ने कहा कि सांझ राहत केंद्रों की सफलता की अनेक कहानियां हैं, लेकिन मोहाली में घरेलू हिंसा से पीड़ित एक महिला का समय रहते किया गया बचाव पंजाब पुलिस की प्रतिबद्धता का उदाहरण है। एक महिला ने सहायता के लिए संपर्क कर बताया कि उसका पति उसके साथ मारपीट कर रहा है और उसकी हत्या

करवा देने की धमकी दे रहा है। उसे तुरंत सहायता की आवश्यकता थी। यह महिला पहली बार पंजाब पुलिस के संपर्क में नहीं आई थी। उसका एक पूर्व मामला पहले से ही एसएएस नगर (मोहाली) टीम के रिकॉर्ड में दर्ज था। सांझ राहत केंद्र की टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उसकी सुरक्षा सुनिश्चित की, सुरक्षित परिवहन की व्यवस्था की और उसे उसके मायके तक सुरक्षित पहुंचाया, जहां वह सुरक्षित वातावरण में रह सकी। महिला के इलाज में की मदद उन्होंने आगे कहा कि एक अन्य मामले में अकेली रह रही एक महिला गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती थी। सांझ राहत केंद्र की टीम ने उसकी काउंसलिंग कर उसे आवश्यक चिकित्सा उपचार स्वीकार करने के लिए प्रेरित किया, पीजीआई में भर्ती करवाने में सहायता की तथा विशेष तालमेल के माध्यम से लगभग दो महीने तक उसका इलाज सुनिश्चित करवाया। उपचार के दौरान उसका गर्भपात हो गया। इस कठिन समय में टीम ने लगातार भावनात्मक सहयोग और काउंसलिंग देकर उसे इस कठिन समय से उबरने में मदद की। स्वस्थ होने के बाद टीम ने उसे रोजगार दिलाने में भी सहायता की तथा उसके परिवार से पुनः जोड़ने का प्रयास किया, जिससे वह सम्मान और आत्मनिर्भरता के साथ अपना जीवन दोबारा शुरू कर सकी। पंजाब पुलिस की कई अन्य पहलें भी प्रभावी साबित हुई सांझ राहत केंद्रों के अलावा महिलाओं के कल्याण और सुरक्षा के लिए पंजाब पुलिस की कई अन्य पहलें भी प्रभावी साबित हुई हैं। जागृति कार्यक्रम के तहत पंजाब पुलिस की महिला मित्रों ने पिछले लगभग दो वर्षों में 12,482 स्कूलों तक पहुँच बनाकर 6 से 12 वर्ष आयु वर्ग के 11,75,010 बच्चों को जागरूक किया। सी अवधि में 76,299 प्रधानाचार्यों, शिक्षकों, कर्मचारियों तथा अन्य स्टाफ सदस्यों को भी जागरूक किया गया। महिला हेल्प डेस्क पहल के अंतर्गत पिछले पांच वर्षों में 69,329 जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

पत्रकार दिनेश प्रजापति को सोशल मीडिया पर धमकी देने के आरोप में कार्रवाई की मांग, धामपुर कोतवाली पहुंचे जिलेभर के पत्रकार

धामपुर/बिजनौर (सब का सपना):- सोशल मीडिया पर एक पत्रकार के खिलाफ कथित रूप से अभद्र एवं धमकीपूर्ण टिप्पणी किए जाने का मामला तूल पकड़ गया है। इस प्रकरण को लेकर नगर धामपुर सहित जनपद बिजनौर के विभिन्न क्षेत्रों से आए पत्रकारों ने धामपुर कोतवाली पहुंचकर प्रभारी निरीक्षक रवीन्द्र प्रताप सिंह से मुलाकात की और आरोपी पंकज वर्मा के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई की मांग की। स्थानीय मौहल्ला पहाड़ी दरवाजा निवासी पत्रकार दिनेश कुमार प्रजापति पुत्र स्वर्गीय सागर सिंह ने धामपुर कोतवाली पुलिस को दी तहरीर में बताया कि गत 13 जुलाई 2026 को उन्हें जानकारी मिली थी कि धामपुर निवासी स्वयं को हिंदूवादी नेता एवं सर्राफ व्यापारी बताने वाले पंकज वर्मा द्वारा फल चौक क्षेत्र में एक युवक को कथित रूप से नकली सोना-चांदी के

आभूषण दिखाने के आरोप में पकड़कर उसके साथ मारपीट की गई थी तथा घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस संबंधित व्यक्ति को पूछताछ के लिए अपने साथ ले गई थी। जनचर्चा का विषय बनने पर उन्होंने अपने निजी फेसबुक अकाउंट पर बिना किसी व्यक्ति का नाम या फोटो प्रकाशित किए केवल इतना लिखा कि धामपुर के एक हिंदूवादी चर्चित नेता सर्राफ व्यापारी को धामपुर पुलिस ने उठाया। आज सुबह पंकज वर्मा एडवोकेट नामक फेसबुक आईडी से उनका नाम लिखते हुए कथित रूप से अपमानजनक, अशोभनीय और धमकीपूर्ण टिप्पणियां की गईं। आरोप है कि पोस्ट में उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने, उन्हें भयभीत करने तथा पत्रकारिता का कार्य करने से रोकने की मंशा से आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग किया गया। सार्वजनिक मंच पर इस प्रकार की टिप्पणियों से उनकी मानहानि हुई है तथा उनके परिवार में भी भय का माहौल बना है। शिकायती पत्र में यह भी आशंका व्यक्त की गई कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो भविष्य में किसी अप्रिय घटना से इंकार नहीं किया जा सकता। इस मामले को गंभीर बताते हुए नगर धामपुर और जिलेभर से पहुंचे पत्रकारों ने प्रभारी निरीक्षक रवीन्द्र प्रताप सिंह को ज्ञापन सौंपकर आरोपी पंकज वर्मा के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कठोर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। पत्रकार प्रेस परिषद के जिलाध्यक्ष विकास शर्मा, नवनीत चौहान, रहमान आदि पत्रकारों ने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और निष्पक्ष पत्रकारिता पर किसी भी प्रकार का दबाव या धमकी स्वीकार नहीं की जाएगी तथा कानून सभी के लिए समान रूप से लागू होना चाहिए। उधर प्रभारी निरीक्षक रवीन्द्र प्रताप सिंह ने पत्रकारों को मामले की निष्पक्ष जांच कर विधिसम्मत कार्रवाई का भरोसा दिलाया।

प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने हेतु बायो इनपुट रिसोर्स सेंटर (BRC) की स्थापना के लिए आवेदन आमंत्रित

बिजनौर (सब का सपना):- नेशनल मिशन ऑन नेचुरल फार्मिंग (NMNF) योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 की कार्ययोजना के अनुसार भारत सरकार की गाइडलाइन के तहत जनपद बिजनौर में एक नए बायो इनपुट रिसोर्स सेंटर (BRC) की स्थापना की जानी है। इसके लिए प्राकृतिक खेती से जुड़े इच्छुक कृषकों, किसान समूहों एवं संबंधित इकाइयों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। उप कृषि निदेशक डॉ. घनश्याम वर्मा ने बताया कि बायो इनपुट रिसोर्स सेंटर (BRC) एक क्लस्टर स्तरीय उद्यम होगा, जिसका उद्देश्य स्थानीय स्तर पर प्राकृतिक जैव-आदान तैयार कर उन किसानों को उपलब्ध कराना है, जो स्वयं इनका उत्पादन करने में सक्षम नहीं हैं। इससे प्राकृतिक खेती को बढ़ावा मिलेगा तथा किसानों को समय पर गुणवत्तापूर्ण जैव-आदान उपलब्ध हो सकेंगे। उन्होंने बताया कि आवेदनकर्ता प्राकृतिक खेती का अभ्यास करने वाला कृषक, किसान समूह अथवा ऐसी इकाई होनी चाहिए, जिसके सदस्य प्राकृतिक खेती का पूर्व अनुभव रखते हों। संबंधित कृषक या समूह अपने खेतों में प्राकृतिक जैव-आदानों का उपयोग करता हो तथा उसके पास गोबर, गौमूत्र और पौध-आधारित बायोमास जैसी आवश्यक कच्ची सामग्री उपलब्ध हो। इसके अलावा निकटवर्ती गोशाला से आवश्यक मात्रा में गोबर एवं गौमूत्र की नियमित आपूर्ति की व्यवस्था तथा जैव-आदानों के निर्माण एवं भंडारण के लिए पर्याप्त स्थान होना भी आवश्यक है। उप कृषि निदेशक ने जनपद के प्राकृतिक खेती से जुड़े इच्छुक कृषकों से अपील की है कि वे आवश्यक अभिलेखों सहित अपना आवेदन पत्र 25 जुलाई, 2026 तक किसी भी कार्य दिवस में उप कृषि निदेशक कार्यालय, बिजनौर में जमा करें, ताकि नेशनल मिशन ऑन नेचुरल फार्मिंग योजना के अंतर्गत बायो इनपुट रिसोर्स सेंटर (BRC) के चयन की कार्यवाही की जा सके। अधिक जानकारी के लिए इच्छुक कृषक उप कृषि निदेशक कार्यालय, बिजनौर से संपर्क कर सकते हैं।

पंजाब के शिक्षण संस्थानों का होगा फायर ऑडिट, हाई कोर्ट के निर्देश पर आपातकालीन व्यवस्थाओं की जांच

चंडीगढ़। पंजाब में स्कूलों और कोचिंग सेंटरों में अग्नि सुरक्षा मानकों की व्यापक समीक्षा शुरू हो गई है। राज्य सरकार और पंजाब स्टेट पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (पीएसपीसीएल) को 10 अगस्त तक फायर सेफ्टी व्यवस्थाओं पर विस्तृत स्थिति रिपोर्ट प्रस्तुत करनी है। सेफ्टी आडिट की रिपोर्ट पंजाब एंड हरियाणा हाई कोर्ट में पेश की जानी है बीते दिनों आडिट करने करवाने के निर्देश कोर्ट की ओर से दिए गए थे। इसके बाद आडिट का काम शुरू हो गया है इसके तहत सरकारी, निजी स्कूलों और कोचिंग संस्थानों में उपलब्ध सुरक्षा इंतजामों का आकलन किया जा रहा है। हाल ही में लखनऊ के एक कोचिंग सेंटर में आग लगने की घटना के बाद शैक्षणिक संस्थानों में अग्नि सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ी है। इसी के मद्देनजर पंजाब में भी यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि स्कूलों और कोचिंग सेंटरों में आपात स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त व्यवस्थाएं मौजूद हों। ऑडिट के दौरान अग्निशमन यंत्रों की उपलब्धता और उनकी कार्यशीलता, फायर अलार्म सिस्टम, हाइड्रेंट व्यवस्था, आपातकालीन निकास मार्ग, बिजली व्यवस्था और भवनों में सुरक्षा मानकों के पालन की जांच की जा रही है। पंजाब के बड़े शहरों लुधियाना, अमृतसर, जालंधर, पटियाला, मोहाली और बठिंडा में बड़ी संख्या में निजी स्कूल और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराने वाले कोचिंग सेंटर संचालित हैं। इनमें प्रतिदिन हजारों विद्यार्थी पढ़ाई के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में इन संस्थानों में अग्नि सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिकता माना जा रहा है। राष्ट्रीय भवन संहिता (नेशनल बिल्डिंग कोड) के अनुसार किसी भी स्कूल या शैक्षणिक संस्थान को मान्यता अथवा संबद्धता देने से पहले निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन जरूरी है। पहले से संचालित संस्थानों में भी अग्निशमन उपकरण, सुरक्षित निकास मार्ग और अन्य आवश्यक सुरक्षा व्यवस्थाएं अनिवार्य हैं। हाल के निरीक्षणों में देश के कुछ कोचिंग संस्थानों में गंभीर कमियां सामने आई थीं। कई जगह आपातकालीन निकास के संकेतक नहीं मिले, खिड़कियां लोहे की ग्रिल से बंद थीं, बेसमेंट में कक्षाएं संचालित हो रही थीं तथा फायर अलार्म और हाइड्रेंट सिस्टम काम नहीं कर रहे थे। कई संस्थानों में प्रवेश और निकास के लिए केवल एक ही रास्ता मिला, जो किसी भी आपात स्थिति में बड़ा जोखिम बन सकता है। पंजाब में तैयार की जा रही रिपोर्ट से यह स्पष्ट होगा कि राज्य के स्कूलों और कोचिंग सेंटरों में अग्नि सुरक्षा मानकों का कितना पालन हो रहा है। जिन संस्थानों में कमियां पाई जाएंगी, वहां उन्हें दूर करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। 10 अगस्त तक संबंधित विभागों को अपनी स्थिति रिपोर्ट सौंपनी है।

मोहाली में ईडीसी विवाद में खरीदारों के पक्ष में फैसला, ATS बिल्डर को रकम लौटाने के आदेश

मोहाली। डेराबस्सी स्थित एटीएस गोल्फ मेडोज-2 परियोजना में ईडीसी (एक्सटर्नल डेवलपमेंट चार्ज) की अतिरिक्त वसूली के मामले में जिला उपभोक्ता आयोग ने खरीदारों के पक्ष में फैसला सुनाया है। आयोग ने एटीएस एस्टेट्स प्राइवेट लिमिटेड और एटीएस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड को 1,65,943 रुपये 24 जून 2022 से 9 प्रतिशत वार्षिक ब्याज सहित लौटाने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही 20 हजार रुपये मानसिक प्रताड़ना और मुकदमेबाजी खर्च के रूप में भी देने होंगे। शिकायतकर्ता शशि भूषण मित्तल और रेणु मित्तल ने वर्ष 2021 में एटीएस गोल्फ मेडोज-2 में 350 वर्ग गज का प्लाट रीसेल के जरिए खरीदा था। उनका आरोप था कि प्लॉट के मूल आवंटियों से ईडीसी के नाम पर 4.37 लाख रुपये वसूले गए थे, जबकि नगर परिषद डेराबस्सी ने वास्तविक ईडीसी 2,42,382 रुपये तय की। बिल्डर ने यह राशि तो वापस कर दी, लेकिन 1,65,943 रुपये अपने पास रख लिए। आयोग ने बिल्डर की दलील खारिज करते हुए कहा कि पंजीकृत बिक्री विलेख के बाद नया खरीदार भी उपभोक्ता है और शिकायत करने का अधिकार रखता है। आदेश में कहा गया है कि 30 दिन के भीतर भुगतान नहीं होने पर संबंधित राशि पर 12 प्रतिशत वार्षिक ब्याज देना होगा।

कलेक्ट्रेट परिसर से निकली 'स्कूल चलो अभियान' रैली, जिलाधिकारी ने दिखाई हरी झंडी

बिजनौर (सब का सपना):- सर्व शिक्षा अभियान के अंतर्गत बुधवार को जनपद बिजनौर के कलेक्ट्रेट परिसर से 'स्कूल चलो अभियान' के तहत जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली को जिलाधिकारी जसजीत कौर ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में जनपद के विभिन्न विद्यालयों के बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बच्चों ने शिक्षा के महत्व एवं प्रत्येक बच्चे के विद्यालय में नामांकन सुनिश्चित कराने संबंधी संदेश लिखी तख्तियां हाथों में लेकर लोगों को

जागरूक किया। रैली के दौरान छात्र-छात्राओं ने शिक्षा जागरूकता से जुड़े प्रेरक नारे लगाते हुए कलेक्ट्रेट परिसर से निर्धारित मार्गों पर भ्रमण किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी जसजीत कौर ने कहा कि प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने सभी अभिभावकों से अपने बच्चों का विद्यालय में समय पर नामांकन कराने तथा उन्हें नियमित रूप से विद्यालय भेजने की अपील की। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) देवेंद्र पाल सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सचिन कसाना, जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सिद्धू मूसेवाला ने 'बलि का बकरा' सॉन्ग में क्यों लिया जसवंत सिंह खालड़ा की पत्नी का नाम, किसे बताया था गद्दार?

चंडीगढ़। पंजाब के मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालड़ा पर आधारित दिलजीत दोसांझ की फिल्म सतलुज खूब चर्चा में है। सेंसर और रिलीज को लेकर करीब तीन साल तक चली प्रक्रिया के बाद ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आई इस फिल्म को भारत में रिलीज के महज दो दिन बाद हटा दिया गया। इसी चर्चा के बीच दिवंगत सिंगर सिद्धू मूसेवाला के सॉन्ग बलि का बकरा भी चर्चा में है। गाने में सिंगर ने जसवंत सिंह खालड़ा की पत्नी परमजीत कौर (बीबी खालड़ा) का जिक्र किय है। बलि का बकरा गाने में मूसेवाला ने बीबी खालड़ा का जिक्र किया था। इस गाने में कई ऐसी बातों का जिक्र था, जिससे यह विवादों में घिर गया। । क्या है पूरा मामला? दरअसल, साल 2022 के पंजाब विधानसभा चुनावों में मूसेवाला ने अपने क्षेत्र मानसा से कांग्रेस के उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ा था। वह आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार से 63 हजार से ज्यादा वोटों के भारी अंतर से हार गए थे। वहीं बीबी खालड़ा ने 'पंजाबी एकता पार्टी' की उम्मीदवार के तौर पर खडूर साहिब क्षेत्र से चुनाव लड़ा था, लेकिन वह भी हार गई थीं इस हार के बाद मूसेवाला ने वोटरों के प्रति निराशा जाहिर करते हुए बलि का बकरा गाने को रिलीज किया।

सिद्धू मूसेवाला ने किसे बताया गद्दार? इस गाने में उन्होंने उनका समर्थन न करने वालों को "गद्दार" कहा था और आरोप लगाया गया था कि 'दोहरे चेहरे वाले लोगों' ने सिख मानवाधिकार कार्यकर्ता बीबी खालरा को हराया। 'ऐथे पहलां बहुत हारे ओह, मैं हार्या नहीं कल्ला... एहना दोगलियां बीबी खालरा हराई।' जिसका मतलब है 'इस चुनाव में सिर्फ मैं ही नहीं हारा, मुझसे पहले भी कई लोग हार चुके हैं। इन दोहरे चरित्र वाले लोगों ने तो बीबी खालड़ा को भी हरा दिया।' मूसेवाला का कहना था कि बीबी खालड़ा के पति जसवंत सिंह खालड़ा ने पंजाब के लोगों के लिए अपना जीवन दे दिया था और बीबी खालड़ा ने खुद भी अपने लोगों के अधिकारों और न्याय के लिए लड़ाई लड़ी है। साथ ही मूसेवाला ने इस गाने में सिमरनजीत सिंह मान, दीप सिद्धू और नवनीत सिंह का भी जिक्र किया। क्या है सतलुज फिल्म का विवाद? दिलजीत दोसांझ की फिल्म 'सतलुज' मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालड़ा के जीवन और पंजाब में कथित फर्जी मुठभेड़ों के संवेदनशील मुद्दे पर आधारित है। जसवंत सिंह खालड़ा ने 1984 से 1994 के बीच पंजाब में लापता हुए हजारों लोगों के कथित अंतिम संस्कारों की जांच की थी।

उनकी जांच के बाद यह मामला पूरे देश में चर्चा का विषय बन गया। इस मुद्दे को सामने लाने के कुछ समय बाद जसवंत सिंह खालड़ा भी रहस्यमय तरीके से लापता हो गए। इस फिल्म को तीन जुलाई को एक ऑनलाइन मंच पर रिलीज किया गया था लेकिन भारत में प्रदर्शन के दो दिन बाद ही सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने सुरक्षा संबंधी चिंताओं का हवाला देते हुए इस पर रोक लगा दी थी।

6 सब का सपना
हिंदी दैनिक
बुलंदशहर/दिल्ली
अमरोहा
बुधवार 15 जुलाई 2026
www.sabkasapna.com

खाद मोहननगर में जिला अध्यक्ष ठाकुर शैलेंद्र आर्य का हुआ जोरदार स्वागत

स्याना/बुलंदशहर (सब का सपना):- खाद मोहननगर में मौनी फौजी के आवास पर ग्रामीणों ने जिला अध्यक्ष ठाकुर शैलेन्द्र आर्य का फूल माला पहनाकर जोरदार स्वागत किया। पंचायत में जिला अध्यक्ष ठाकुर शैलेन्द्र आर्य ने अपने संबोधन में कहा कि जिले के प्रत्येक गांव गांव को संगठन से जोडकर सभी की समस्यो का निदान करेंगे। वजुर्गो ने जिला अध्यक्ष के उज्जवल भविष्य की कामना कर आशीर्वाद दिया।जिसका संचालन दीपक शर्मा ने किया तथा अध्यक्षता बाबा रमेश ने की, जहां बुजुर्गों ने आशीर्वाद देकर जिला अध्यक्ष के उज्जवल भविष्य की कामनाएं की तथा समस्त गांव ने तन मन धन से संगठन में रहकर साथ देने का वादा किया। जिला अध्यक्ष ठाकुर शैलेंद्र आर्य ने कहा कि बुलंदशहर के गांव गांव में जाकर ज्यादा से ज्यादा किसानों को संगठन से जोड़ा जाएगा, जो राष्ट्रीय नेतृत्व के आदेशअनुसार ग्राम अध्यक्ष का चुनाव करते हुए संगठन हित में कार्य किए जाएंगे।

अवनेश लोधी का इंडियन आर्मी में चयन, ट्रेनिंग के लिए रवाना

डिबाई/बुलंदशहर (सब का सपना):- क्षेत्र के गांव दौगवां निवासी एवं जिला पंचायत सदस्य सत्यपाल लोधी के पुत्र अवनेश लोधी का इंडियन आर्मी में चयन होने पर परिवार में खुशी की लहर दौड़ गई। ट्रेनिंग के लिए रवाना होने से पहले गांव व नगरवासियों ने डीजे के साथ जुलूस निकालकर फूल-मालाओं से उनका स्वागत किया और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाओं के साथ विदाई दी।

बुलंदशहर में 3201 निरक्षर बने साक्षर, जल्द मिलेंगे प्रमाण पत्र

खुर्जा/बुलंदशहर(सब का सपना):- जनपद बुलंदशहर में नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत आयोजित साक्षरता मूल्यांकन परीक्षा में 3201 प्रतिभागी सफल होकर साक्षर बने हैं। बेसिक शिक्षा विभाग अब सफल प्रतिभागियों के अंकपत्र डाउनलोड कर खंड शिक्षा अधिकारियों (बीईओ) को भेजेगा। इसके बाद आयोजित कार्यक्रमों में नवसाक्षरों को प्रमाण पत्र एवं अंकपत्र वितरित किए जाएंगे। बीएसए विजेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि केंद्र सरकार के नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत 15 वर्ष से अधिक आयु के निरक्षरों को शिक्षित करने का अभियान लगातार चलाया जा रहा है।

खुर्जा की अंजली ने UPSC परीक्षा उत्तीर्ण कर बढ़ाया क्षेत्र का मान

खुर्जा/बुलंदशहर (सब का सपना):- खुर्जा क्षेत्र के गांव नेहरूपुर निवासी कु. अंजली पुत्री विनोद कुमार ने वर्ष 2025 बैच की UPSC परीक्षा में साइंटिस्ट ग्रेड-ए पद के लिए सफलता प्राप्त कर परिवार और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि पर क्षेत्र में खुशी का माहौल है। परिजनों, शुभचिंतकों और ग्रामीणों ने अंजली को बधाई हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

उमस से बेहाल दिल्ली-एनसीआर ! मानसून पर क्यों लगा 'ब्रेक'? आईएमडी ने बताया- कब होगी बारिश

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में मानसून ने बीते हफ्ते जोरदार दस्तक दी थी, लेकिन यह खुशियां बस कुछ दिनों के लिए ही थी। इस पूरे हफ्ते बारिश न होने से उमस बढ़ गई और लोगों की खूब परेशानी हुई। मौसम विभाग के अनुसार, उत्तर-पश्चिम भारत के कई हिस्सों में मानसून अचानक ठहर सा गया है। घने बारिश वाले बादलों की जगह अब साफ आसमान तपिश और गर्मी बढ़ा रहा है। मौसम विशेषज्ञ इस सूखे के दौर को 'ब्रेक मानसून' यानी मानसून में रुकावट बता रहे हैं। यह मानसून ट्रफ में बड़े बदलाव के कारण हो रहा है। मानसून ट्रफ कम दबाव वाला क्षेत्र है जो भारी बादल, नमी और बारिश लाता है। विशेषज्ञ के मुताबिक, मानसून बेल्ट उत्तर प्रदेश के उत्तरी तराई क्षेत्र की ओर खिसक गई है। इसलिए केवल उत्तरी हिस्सों में ही बारिश हो रही है, जबकि मैदानी इलाकों में सूखा पड़ा है। पिछले हफ्ते बने कम दबाव वाले सिस्टम ने भी ट्रफ को उत्तर की ओर खिसकाने में भूमिका निभाई थी। दिल्ली-एनसीआर में सूखा और पूर्वी भारत में भारी बारिश स्काईमेट वेदर के महेश पलावत बताते हैं कि दिल्ली-एनसीआर से लेकर उत्तर-पश्चिम भारत में ब्रेक मानसून की स्थिति बन गई है। इसकी वजह से हवा में नमी का स्तर तेजी से गिरा है और बादल नहीं बन पा रहे। वहीं देश के पूर्वी, पूर्वोत्तर हिस्सों में भारी बारिश जारी है। बिहार, बांग्लादेश और असम के ऊपर बने साइक्लोनिक सकुर्लेशन ने बंगाल की खाड़ी की नमी को अपनी ओर खींच लिया है। ब्रेक मानसून तब बनता है जब मानसून ट्रफ की धुरी हिमालय की तलहटी की ओर चली जाती है। इस कारण दक्षिण में सूखी पश्चिमी हवाएं चलने लगती हैं, नमी घटती है, तापमान बढ़ता है और बारिश बंद हो जाती है। लंबा ब्रेक मानसून और अल-नीनो का असर सामान्य रूप से ब्रेक मानसून जुलाई-अगस्त में 4 से 6 दिनों तक रहता है। लेकिन इस बार यह असामान्य रूप से लंबा खिंच गया है। करीब 11-12 दिन बीत चुके हैं। महेश पलावत के अनुसार, इस लंबे सूखे दौर को अल-नीनो के बढ़ते प्रभाव से जोड़ा जा सकता है, जो जुलाई के दूसरे पखवाड़े में साफ दिख रहा है। जलवायु परिवर्तन और वैश्विक पैटर्न में बदलाव के कारण मानसून की गति प्रभावित हो रही है। कब मिलेगी राहत? महेश पलावत के अनुसार, 19 जुलाई के बाद मॉनसून ट्रफ की यह धुरी दक्षिण की ओर मुड़नी शुरू होगी, जिसके बाद बारिश की गतिविधियां हो सकती है। अभी एक हफ्ते का ब्रेक है, जिसके बाद पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में फिर से झमाझम बारिश देखने को मिलेगी और तापमान एक बार फिर गिरेगा।

क्या अब बारिश में नहीं डूबेगा आईटीओ ? जलभराव रोकने के लिए पीडब्ल्यूडी ने तैयार किया 1.3 करोड़ का मास्टर प्लान

नई दिल्ली। राजधानी के सबसे बड़े जलभराव हाटस्पाट में शामिल आइटीओ पर वर्षा के दौरान जलभराव की समस्या अब भी बनी हुई है। वर्ष 2023 से इस समस्या के समाधान के लिए कई प्रयास किए गए, लेकिन अब तक पूरी तरह राहत नहीं मिल सकी है। हालांकि पिछली वर्षा में इस हॉटस्पॉट पर जलभराव की समस्या नहीं देखी गई है। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने आइटीओ पर जलभराव रोकने की व्यवस्था को और बेहतर करने का फैसला लिया है। इसके तहत मुख्यरूप से 1.3 करोड़ रुपये की लागत से आइटीओ पंप हाउस का अपग्रेडेशन किया जाएगा। जिसे तीन महीने में पूरा करना है। कैसे रूकेगा जलभराव? योजना के अनुसार आइटीओ पंप हाउस में हर मौसम में काम करने वाला सब-स्टेशन बनाया जाएगा, ताकि भारी वर्षा और तेज हवाओं के दौरान भी पंपिंग सिस्टम को बिजली की सप्लाई बिना रुकावट मिलती रहे। ऑटोमैटिक डिजिटल अलार्म सिस्टम भी लगाए जाएंगे। पिछले साल पीडब्ल्यूडी ने ड्रेन नंबर 5 को फिर से बनाया था, जो आजाद भवन से आईपी एस्टेट इलाके तक जाता है। इस इलाके में कई सरकारी दफ्तर हैं और यहां के नाले आइटीओ पंपिंग स्टेशन से जुड़े हैं। जिसमें चार

स्थायी पंप लगे हैं। आइटीओ पंप हाउस विकास मार्ग, सुप्रीम कोर्ट मेट्रो स्टेशन के पास और तिलक ब्रिज अंडरपास वाले इलाकों के लिए है। ये सभी इलाके जलभराव वाले हाटस्पाट में गिने जाते हैं। पिछले कुछ सालों से आइटीओ और इंद्रप्रस्थ के पास रिंग रोड वाले हिस्से में बार-बार जलभराव की समस्या देखी जा रही है, जो समाप्त नहीं हो सकी है। इसका एक कारण पुरानी दिल्ली की सीवर लाइन का भी यहां से गुजरना माना जा रहा है, यह लाइन अक्सर ओवरफ्लो होती है और वर्षा के दौरान मेनहोल से सीवर का पानी इस इलाके में भरता है। भारी वर्षा में पंप बंद हो जाते हैं। अब अपग्रेडेशन के बाद विकास मार्ग, सुप्रीम कोर्ट मेट्रो स्टेशन के आसपास, तिलक ब्रिज अंडरपास और आइटीओ चौराहे के आसपास जल निकासी व्यवस्था बेहतर होने की उम्मीद है। बता दें कि आइटीओ दिल्ली के सबसे संवेदनशील जलभराव वाले क्षेत्रों में शामिल है। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि यहां दिल्ली का प्रमुख ट्रैफिक जंक्शन, कई सरकारी कार्यालय, यमुना के निकट इस क्षेत्र का नीचा होना है। यहां कई ड्रेनेज नेटवर्क एक साथ मिलते हैं। दिल्ली के ड्रेनेज मास्टर प्लान में भी आइटीओ ब्रिज और आसपास के क्षेत्र को बार-बार जलभराव वाला क्षेत्र माना गया है। आइटीओ क्षेत्र में यहां होता है जलभराव दिल्ली सचिवालय के आसपास इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम (गेट 6 से 22 के बीच) पीडब्ल्यूडी मुख्यालय के आसपास राजघाट चौराहा बहादुर शाह जफर मार्ग इंद्रप्रस्थ डब्ल्यूएचओ बिल्डिंग व मेट्रो स्टेशन के पास प्रगति मैदान टनल से जुड़ने वाला मथुरा रोड लिंक पुराना किला रोड से टनल का प्रवेश मार्ग

'हर पंप पर सामान्य और ई20 पेट्रोल का मिले ऑप्शन, रेट भी हो कम', केजरीवाल की पीएम मोदी को चिट्ठी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक व दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ई-20 पेट्रोल के मुद्दे पर प्रेसवार्ता कर फिर अपनी बात रखी। उन्होंने बताया कि इस मामले पर उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। केजरीवाल ने खत में उठाई ये मांग केजरीवाल ने बताया कि खत में उन्होंने हर पेट्रोल पंप पर ई-20 पेट्रोल और सामान्य पेट्रोल पंप दो विकल्प उपलब्ध कराने की मांग की है और ई-20 पेट्रोल के दाम कम रखे जाने की मांग भी उठाई है। ई20 पेट्रोल के खिलाफ शुरू हुआ सिग्नेचर कैंपेन उन्होंने प्रधानमंत्री के नाम जनता की ओर से एक पिटीशन (पत्र) तैयार की है जिसमें कोई भी व्यक्ति एएपी की साइट पर जाकर पिटीशन पर साइन कर अपनी बात लिख सकता है। के जरिए लोग प्रधानमंत्री के नाम याचिका पर हस्ताक्षर कर अपनी आवाज दर्ज करा सकते हैं। पहले केजरीवाल ने वाहन निमार्ता कंपनियों को लिखी थी चिट्ठी इससे पहले भी केजरीवाल वाहन निर्माण करने वाली 29 कंपनियों को पत्र लिखकर यह स्पष्ट करने के लिए कह चुके हैं कि क्या उनके 2023 से पहले बने वाहन ई-20 पेट्रोल का उपयोग करने के लिए सक्षम हैं। केजरीवाल ने लोगों से कहा कि वे उन्हें इस मुद्दे पर अपनी राय दें।, वह जब प्रधानमंत्री ने मिलने जाएंगे तो उनके सुझाव भी उन्हें सौंपेंगे। उन्होंने इस मुद्दे को अधिक से अधिक लोगों से उठाने का आग्रह किया तथा कहा कि वीडियो बनाकर इंटरनेट मीडिया पर डालें। वहीं उन्होंने सोनम वांगचुक से अपना अनशन समाप्त करने का अनुरोध किया है। बृहस्पतिवार को उन्हें समर्थन देने जाने की भी बात कही है।

दिल्ली में स्कूल बस ने ई-रिक्शा को मारी टक्कर, हादसे में 7वीं की छात्रा की दर्दनाक मौत; ड्राइवर गिरफ्तार

बाहरी दिल्ली। आदर्श नगर इलाके में एक तेज रफ्तार बस ई रिक्शा में टक्कर मार दी। हादसे में एक छात्रा की मौत हो गई। हालांकि कोई अन्य हताहत नहीं हुआ। फिलहाल पुलिस मामला दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। पुलिस उपायुक्त आकांक्षा यादव का कहना है कि मंगलवार सुबह करीब 7 बजे आदर्श नगर पुलिस स्टेशन में स्कूली बच्चों से जुड़ी एक सड़क दुर्घटना की सूचना मिली। पुलिसकर्मी तुरंत मजलिस पार्क मेट्रो स्टेशन के पास घटनास्थल पर पहुंचे। बस की टक्कर से ई-रिक्शा से गिरी छात्रा प्रारंभिक जांच में पता चला कि एक स्कूल बस, जिसे बुराड़ी निवासी कमल सिंह (55 वर्ष), चला रहे थे, उसने ई रिक्शा में टक्कर मार दी। जिससे ई-रिक्शा में सवार 12 वर्षीय प्रियांशी गिर गई। इसी दौरान तेज रफ्तार बस ने उसे कुचल दिया। मामले की जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस छात्रा को तत्काल जहांगीरपुरी स्थित बीजेआरएम अस्पताल ले गई। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जांच में पता चला कि ई रिक्शा अजय प्रसाद चला रहे थे और ई-रिक्शा में पांच स्कूली बच्चे सवार थे। पुलिस के अनुसार इस घटना में किसी अन्य को चोट नहीं आई। सातवीं कक्षा में पढ़ती थी प्रियांशी प्रियांशी सातवीं कक्षा में पढ़ती थी और मुकुंदपुर की रहने वाली थी। बाद में क्राइम टीम और एफएसएल टीम ने घटनास्थल का मुआयना किया। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए शवगृह में रखा गया है। पुलिस का कहना है की जांच के लिए दोनों वाहन कब्जे में ले लिए हैं और बस चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है। इसके अलावा आदर्श नगर पुलिस स्टेशन में कानून के उचित प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है।

650 करोड़ के दिल्ली स्वास्थ्य घोटाले की जांच का दायरा बढ़ा, अस्पतालों की अनियमितताएं उजागर

नई दिल्ली। दिल्ली स्वास्थ्य विभाग में 650 करोड़ रुपये के दवा एवं चिकित्सा उपकरण खरीद घोटाले की जांच सीपीए तक सीमित नहीं रही। अस्पतालों की हो रही स्टाक आडिट में इस जांच का दायरा बढ़ता जा रहा है, एक-एक कर दिल्ली सरकार के अस्पतालों में दवा तथा उपकरण खरीद से जुड़ी अनियमितताएं सामने आने लगी हैं। जांच एजेंसियों का मानना है कि खरीद प्रक्रिया में व्यापक स्तर पर हेराफेरी का प्रभाव अस्पतालों तक भी पहुंचा है। इसी कड़ी में अस्पतालों के खरीद रिकार्ड, भुगतान, स्टाक और उपयोग का मिलान किया जा रहा है। नया मामला जीबी पंत अस्पताल का है, जहां एसीबी ने 15 करोड़ रुपये से अधिक की वित्तीय अनियमितताओं की जांच शुरू की है। स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार जांच केवल दवा खरीद तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें दवाओं एवं उपकरणों की खरीद, बिना टेंडर भुगतान, बाजार से अधिक कीमत पर खरीद, स्टोर एवं भुगतान रिकॉर्ड, अनुबंधों में गड़बड़ी तथा 12 वर्ष से बिना नवीनीकरण संचालित कैंटीन ठेके सहित कई वित्तीय मामलों को शामिल किया गया है। जांच के दौरान

यह भी सामने आया कि दिसंबर 2025 से मार्च 2026 के बीच 75 दिनों में 63.30 लाख रुपये की दवाएं खरीदी गईं और कुछ दिनों में 27 लाख रुपये तक के बिल जारी किए गए, इसकी भी जांच हो रही है। आरोप है कि यह खरीद बिना टेंडर के अधिक कीमतों पर की गई। साथ ही अन्य वित्तीय अनियमितताओं भी गईं। इससे पहले लोकनायक अस्पताल में करीब 17.70 करोड़ रुपये के टेंडर में अनियमितताओं का मामला सामने आया था। आरोप है कि निविदा प्रक्रिया में नियमों की अनदेखी कर कुछ चुनिंदा कंपनियों को लाभ पहुंचाने की कोशिश की गई थी। गुरु तेग बहादुर (जीटीबी) अस्पताल में भी दवा और चिकित्सा उपकरणों की खरीद, कीमतों तथा फाइल प्रक्रिया में गड़बड़ियों की जांच चल रही है। कुछ अन्य अस्पतालों के रिकार्ड भी जांच एजेंसियों के रडार पर हैं। पता लगाया जा रहा है कि सीपीए के माध्यम से खरीदी गई दवाएं और उपकरण अस्पतालों में वास्तविक आवश्यकता के अनुसार भेजे गए या नहीं। कई अस्पतालों में जरूरत से अधिक या अनुपयोगी सामान की आपूर्ति, ऊंची कीमतों पर खरीद और रिकार्ड में विसंगतियों की भी जांच की जा रही है। जांच के केंद्र में 650 करोड़ रुपये का वही खरीद घोटाला है, जिसमें आरोप है कि अधिकारियों और सप्लायरों की मिलीभगत से खरीद प्रक्रिया में हेराफेरी कर सरकारी धन का दुरुपयोग किया गया। स्वास्थ्य विभाग के सूत्रों का कहना है कि अस्पताल स्तर पर सामने आ रही ये अनियमितताएं इस बात के संकेत हैं कि 650 करोड़ का दवा और उपकरण खरीद घोटाला केवल एक एजेंसी तक सीमित नहीं था, बल्कि इसकी कड़ियां पूरे खरीद तंत्र में फैली हो सकती हैं। यही वजह है कि अब एसीबी और अन्य जांच एजेंसियां एक-एक अस्पताल के खरीद रिकार्ड, भुगतान और स्टाक का विस्तृत आडिट कर रही हैं। आने वाले दिनों में इस मामले में और बड़े खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है। पहले भी विवादों में रहा जीबी पंत अस्पताल जीबी पंत अस्पताल पहले भी गंभीर प्रशासनिक विवादों के कारण चर्चा में रहा है। अस्पताल के जैव रसायन विभाग की तत्कालीन विभागाध्यक्ष डा. मंजू सुब्बरवाल पर आरोप लगा था कि वह लगभग तीन वर्ष तक बिना विधिवत अनुमति के कनाडा में फिल्म निर्माण से जुड़ी रहीं और इस दौरान सरकारी वेतन भी लेती रहीं। मामले के सामने आने के बाद केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया और विभागीय कार्रवाई शुरू की। पर, इन सबका क्या हुआ इसकी जानकारी कभी सार्वजनिक नहीं की गई।

91 गवाह, वैज्ञानिक साक्ष्य और 320 पन्नों का फैसला... 23 जुलाई को अदालत सुनाएगी अंकित शर्मा हत्याकांड के दोषियों को सजा

पूर्वी दिल्ली। आइबी कर्मचारी अंकित शर्मा हत्याकांड में कड़कड़डूमा कोर्ट ने पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन समेत पांच आरोपितों को दोषी ठहराने के बाद सजा के बिंदु पर सुनवाई के लिए 23 जुलाई की तारीख तय की है। अदालत ने अपने 320 पन्नों के फैसले में स्पष्ट किया है कि दोषसिद्धि किसी एक गवाह या एक साक्ष्य के आधार पर नहीं, बल्कि अभियोजन की ओर से पेश किए गए 91 गवाहों, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान, वैज्ञानिक एवं इलेक्ट्रानिक साक्ष्य, पोस्टमार्टम और एफएसएल रिपोर्ट, वीडियो फुटेज, कॉल डिटेल रिकार्ड (सीडीआर) तथा परिस्थितिजन्य साक्ष्यों की पूरी श्रृंखला के आधार पर की गई। अदालत ने कहा कि अभियोजन ने विभिन्न प्रकार के साक्ष्यों को एक-दूसरे से जोड़ते हुए घटनाक्रम की ऐसी श्रृंखला प्रस्तुत की, जिससे अंकित शर्मा की हत्या की पूरी कड़ी स्थापित हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के बयान, पुलिस अधिकारियों की गवाही, चिकित्सकीय और फोरेंसिक साक्ष्य तथा इलेक्ट्रानिक रिकॉर्ड का अलग-अलग और सामूहिक परीक्षण करने पर सभी एक-दूसरे की पुष्टि करते मिले। इसी आधार पर अदालत ने माना कि अभियोजन आरोपों को संदेह से परे साबित करने में सफल रहा। किन साक्ष्यों पर सुनाया गया

सजा फैसले में चांदबाग पुलिया के पास मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों की गवाही का भी विस्तार से उल्लेख किया गया है। अदालत ने कहा कि हिंसा, भीड़ और अंकित शर्मा पर हुए हमले को लेकर गवाहों ने जो घटनाक्रम बताया, वह वीडियो फुटेज, मेडिकल रिपोर्ट और अन्य दस्तावेजी साक्ष्यों से मेल खाता है। अदालत के अनुसार गवाहों के बयानों में घटना के मूल तथ्यों को लेकर पर्याप्त समानता है, जिससे अभियोजन का पक्ष मजबूत हुआ। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि दंगों जैसी असाधारण परिस्थितियों में अलग-अलग गवाहों के बयानों में मामूली अंतर स्वाभाविक है। केवल ऐसे सामान्य विरोधाभासों के आधार पर पूरी गवाही को अविश्वसनीय नहीं माना जा सकता। फैसले में उच्चतम न्यायालय के विभिन्न निर्णयों का हवाला देते हुए कहा गया कि यदि गवाही का मूल स्वरूप विश्वसनीय हो और उसे स्वतंत्र साक्ष्यों का समर्थन प्राप्त हो, तो छोटी-मोटी विसंगतियां दोषसिद्धि में बाधा नहीं बनतीं। ये गवाह बने भरोसेमंद वैज्ञानिक साक्ष्यों पर भरोसा जताते हुए अदालत ने एफएसएल रिपोर्ट, पोस्टमार्टम रिपोर्ट, घटनास्थल से जुटाए गए साक्ष्य, इलेक्ट्रानिक रिकॉर्ड, मोबाइल फोन की सीडीआर, लोकेशन संबंधी जानकारी और अन्य डिजिटल सामग्री का उल्लेख किया। अदालत ने चिकित्सकों, फोरेंसिक विशेषज्ञों, जांच अधिकारियों और मोबाइल कंपनियों के नोडल अधिकारियों की गवाही को भी विश्वसनीय माना। सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष ने गवाहों की विश्वसनीयता, पहचान, प्राथमिकी दर्ज होने में देरी, जांच की निष्पक्षता और इलेक्ट्रानिक साक्ष्यों पर सवाल उठाए थे। अदालत ने इन सभी दलीलों पर विचार करने के बाद कहा कि उपलब्ध साक्ष्यों की पूरी श्रृंखला अभियोजन के मामले को मजबूती प्रदान करती है। किसी एक गवाह या एक तथ्य को अलग करके नहीं, बल्कि सभी साक्ष्यों का समग्र मूल्यांकन करने पर मामला संदेह से परे सिद्ध होता है। अदालत के अनुसार अभियोजन ने कुल 91 गवाह पेश किए, जिनमें प्रत्यक्षदर्शी, पुलिस अधिकारी, चिकित्सक, फोरेंसिक विशेषज्ञ, जांच अधिकारी, मोबाइल कंपनियों के नोडल अधिकारी और अन्य औपचारिक गवाह शामिल थे। इन्हीं गवाहों और वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने पांचों आरोपितों को दोषी ठहराया। अब 23 जुलाई को अदालत सजा के बिंदु पर अभियोजन और बचाव पक्ष की दलीलें सुनने के बाद सजा पर फैसला सुनाएगी।

आईबी कर्मी अंकित शर्मा हत्याकांडा में दोषी करार ताहिर हुसैन पर केजरीवाल की चुप्पी टूटी, बीजेपी और आरएसएस पर भी साधा निशाना

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों के दौरान इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) अधिकारी अंकित शर्मा की हत्या के मामले में पूर्व आम आदमी पार्टी (आप) पार्दष ताहिर हुसैन को दोषी ठहराया है। इस फैसले पर आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि ताहिर हुसैन को बहुत पहले पार्टी से निकाल दिया गया था। दरअसल, ताहिर को लेकर भाजपा नेता लगातार केजरीवाल से प्रश्न कर रहे थे, ऐसे में उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में यह बात कही। आप नेतृत्व पर उठ रहे थे सवाल केजरीवाल ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भाजपा आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय के पोस्ट का जवाब देते हुए लिखा, 'हमने उन्हें आप से बहुत पहले निकाल दिया था। क्या वह चंदा चोर पार्टी की किसी सहयोगी संगठन में शामिल नहीं हो गए थे?' यह बयान दिल्ली के कानून मंत्री कपिल मिश्रा और अन्य भाजपा नेताओं द्वारा आप नेतृत्व की चुप्पी पर सवाल उठाने के

कुछ घंटों के बाद आया है। वोट बैंक की राजनीति करार दिया दरअसल, कपिल मिश्रा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में पूछा था कि अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और संजय सिंह इस मामले पर क्यों चुप हैं? भाजपा नेता गौरव भाटिया ने भी केजरीवाल पर आरोप लगाते हुए कहा था कि वे अभी भी ताहिर हुसैन की रक्षा कर रहे हैं। उन्होंने आप विधायक अमानतुल्लाह खान के बयान का हवाला देते हुए इसे वोट बैंक की राजनीति करार दिया। नाले से बरामद हुआ था शव बता दें कि वर्ष 2020 में नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के विरोध में हुए दंगों के दौरान अंकित शर्मा घर से निकलने के बाद लापता हो गए थे। बाद में उनका शव चांद बाग इलाके के पास एक नाले से बरामद किया गया।

इन दंगों में कुल 53 लोगों की मौत हुई थी और सैकड़ों लोग घायल हुए थे। आप ने ताहिर हुसैन को पहले ही पार्टी से निष्कासित कर दिया था। केजरीवाल के बयान से पार्टी ने इस मामले में अपनी किसी भी प्रकार की संलिप्तता से साफ इंकार कर दिया है।

जानकारी

क्या आप वाकई में जानते हैं कंघी करने का सही तरीका?

अपनाएं ये टिप्स कभी नहीं झड़ेंगे बाल

आपकी खूबसूरती में चार चांद लगाने में आपके लंबे घने बालों का बहुत बड़ा हाथ होता है। खूबसूरत काले घने बालों की ख्वाहिश हर किसी की होती है, पर कई बार अनजाने में की गई कुछ गलतियों की वजह से आपके बाल रूखे और बेजान होकर समय से पहले ही पतले और बेजान हो जाते हैं। इन्हीं गलतियों में से एक गलती है बालों में गलत तरह से कंघी करना, जिसकी वजह से बालों के झड़ने की समस्या उत्पन्न होने लगती है। तो आइए, जानते हैं आखिर क्या है बालों को कंघी करने का सही तरीका, जिसकी मदद से आप भी पा सकते हैं स्वस्थ घने लंबे बाल।

आजकल की भागदौड़ और स्ट्रेस भरी जिंदगी में लोग सोचते हैं कि स्ट्रॉन्ग और सिल्की बालों के लिए अच्छा शैंपू, कंडिशनिंग और ऑयल का इस्तेमाल काफी रहता है। पर क्या आप जानते हैं बालों की सेहत बनाए रखने में बालों की एक्सरसाइज का भी बहुत बड़ा हाथ होता है।

कंघी से होती है बालों की एक्सरसाइज

अच्छी क्वालिटी के शैंपू, कंडिशनिंग और ऑयल के साथ कंघी करने के सही तरीके से भी आप अपने बालों की ग्रोथ को अच्छा कर सकते हैं। कंघी बालों की एक तरह की एक्सरसाइज होती है। सही तरह से कंघी करने से सिर में ब्लड सर्कुलेशन इंप्रूव होता है।

दिन में इतनी बार करें बालों में कंघी

हेयर स्टाइलिस्ट अक्सर लोगों को ये सुझाव देते हैं कि पूरे दिन में कम से कम 3 से 4 बार कंघी करने से बालों को फायदा पहुंचता है, लेकिन कंघी करते समय इस बात का ध्यान रखना बेहद जरूरी है कि कंघी बालों के सिरों तक पहुंचनी चाहिए। ऐसा करने से सिर का ब्लड सर्कुलेशन इंप्रूव होने से बालों की ग्रोथ अच्छी होती है।

बालों की सेहत बनाए रखने के लिए ऐसे करें कंघी

बालों की सेहत बनाए रखने के लिए सीधे कंघी करना सबसे अच्छा रहता है। ऐसा करने से बाल मजबूत बनने के साथ उनकी ग्रोथ भी अच्छी होती है। इसके अलावा रोजाना इस तरह कंघी करने से व्यक्ति को दो मुंहे बालों की समस्या से भी जल्द छुटकारा मिल जाता है। यदि आपके बाल अक्सर रूखे रहते हैं तो कंघी करने से पहले बालों में सीरम लगाकर पहले उन्हें मुलायम बना लें। ऐसा करने से भी आपके बाल नहीं टूटेंगे।

क्या हाई ब्लड प्रेशर हमेशा बुरा होता है

जानिए ब्लड प्रेशर से जुड़े 5 बेहद जरूरी सवालों के जवाब

हाई ब्लड प्रेशर सुनते ही इससे होने वाली तरह-तरह की बीमारियां आंखों के सामने आ जाती हैं, किंतु आपने कभी सोचा है कि यह सेहत के लिए फायदेमंद भी हो सकता है? जर्मनी में बर्लिन की चैरिट यूनिवर्सिटी ने इस पर अध्ययन किया तो चौंकाने वाले नतीजे सामने आए। शोधकर्ताओं के अनुसार, बुढ़ापे में हाई ब्लड प्रेशर कई तरह से फायदेमंद होता है। 80 साल से ज्यादा उम्र के जिन लोगों में हाई ब्ल्ड प्रेशर होता है, वो लो ब्लड प्रेशर वालों से ज्यादा जिंदा रहते हैं। यूरोपियन हार्ट जर्नल में प्रकाशित इस रिपोर्ट के अनुसार, अध्ययन 2009 में शुरू हुआ था। तब इसमें शामिल लोगों की उम्र 70 वर्ष या अधिक थी। अब उनकी उम्र 80 वर्ष या इससे अधिक है। हर दो साल में इन लोगों के सेहत की जांच की गई।

अनुसंधानकर्ताओं ने पाया कि 80 वर्ष से अधिक आयु के जिन लोगों का रक्तचाप कम (140/90 मिमी एचजी या इससे कम) था, उनकी मृत्यु दर अधिक रक्तचाप वालों से 40 प्रतिशत अधिक थी। यहां तक कि जिन बुजुर्गों में पहले हार्ट अटैक या स्ट्रोक आ चुका है, उनको भी हाई ब्लड प्रेशर का लाभ मिला है।

रिसर्चस की टीम इस बात पर भी जोर देती है कि 140/90 मिमी एचजी से कम रक्तचाप वाले लोगों में उन लोगों की तुलना में मृत्यु का जोखिम 61 प्रतिशत अधिक था, जो ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने की दवाएं ले रहे हैं, फिर भी यह कम नहीं है।

जानिए, सेहत के लिए कितना नुकसानदायक है ब्लड प्रेशर

ब्लड प्रेशर सेहत के लिए कितना नुकसानदायक है? उच्च रक्तचाप या हाई ब्लड प्रेशर हर साल लगभग 10 मिलियन भारतीयों को अपना शिकार बनाता है। यदि यह स्थिति लंबे समय तक रहे और दवाओं के बावजूद नियंत्रित न हो तो धमनियों को नुकसान पहुंच सकता है। धमनियां सिकुड़ जाती हैं, जिसका असर रक्त के प्रवाह पर पड़ता है, जिससे स्ट्रोक और हार्ट अटैक जैसी गंभीर बीमारियां हो सकती हैं।

ब्लड प्रेशर की जांच कब करनी चाहिए?

एम्स के डॉ. नबी वली के अनुसार, यदि आप घर पर ब्लड प्रेशर की जांच करते हैं तो यह जानना जरूरी है कि दिनभर में ब्लड प्रेशर में काफी उतार-चढ़ाव आता है। इसलिए दिनभर में 5-6 बार इसे मापना चाहिए। वैसे दवाई लेने से पहले ब्लड प्रेशर की जांच जरूर करना चाहिए।

क्या हाई ब्लड प्रेशर हो तो एक्सरसाइज करना चाहिए?

विभिन्न अध्ययनों से पता चलता है कि व्यायाम न केवल आपके ब्लड प्रेशर को स्वाभाविक रूप से कम कर सकता है, बल्कि अन्य कई तरह से अच्छे स्वास्थ्य में मदद करता है। अक्सर लोग इस बात को लेकर उलझन में रहते हैं कि हाई ब्लड प्रेशर के दौरान उनको व्यायाम करना चाहिए या नहीं? जवाब है- हाई ब्लड प्रेशर से पीड़ित होने पर नियमित रूप से व्यायाम करना बिल्कुल भी बुरा नहीं है। वास्तव में, कार्डियोवस्कुलर या एरोबिक एक्सरसाइज ब्लड प्रेशर के स्तर को कम करने और हार्ट को मजबूत बनाने में मदद कर सकते हैं।

क्या शराब के सेवन से ब्लड प्रेशर बढ़ता है?

शराब और हाई ब्लड प्रेशर का सीधा संबंध है। जितनी अधिक शराब, उतना ज्यादा ब्लड प्रेशर। जो लोग एक दिन में तीन या इससे अधिक गिलास शराब का सेवन करते हैं, उनकी जान जोखिम में है।

दिन में सोने से बीपी बढ़ता है या कम होता है?

दिन में एक छोटी सी झपकी फायदेमंद बताई गई है और ब्लड प्रेशर को लेकर भी यही बात है। दिन में झपकी लेने से ब्लड प्रेशर को लो रखने में मदद मिलती है। इसके साथ ही हार्ट संबंधी अन्य बीमारियों की आशंका भी कम होती है, लेकिन ध्यान रहें कि ज्यादा देर की नींद नुकसानदायक हो सकती है।

सेहत

गुणों का भंडार है लहसुन, कैसे करें इसका सेवन?

पुराने समय में मिस्र के लोग सेहत को चुस्त-दुरुस्त रखने के लिए रोज लहसुन खाया करते थे। आज के शोधकर्ता भी इस बात से सहमत हैं कि लहसुन बढ़े स्तर पर एक एंटीबायोटिक का काम करता है। यह बैक्टीरिया-रोधी, फफूंद-रोधी, परजीवी-रोधी व वायरस-रोधी है। आइए जानते हैं कि लहसुन को अपने आहार में शामिल करने के क्या फायदे हैं?

दिल और फेफड़ों के लिए जरूरी

दिल संबंधी तंत्र के लिए लहसुन जादुई काम करता है। रक्त में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा कम करने में यह खास प्रभावकारी है। लहसुन सीने की जकड़न में और सर्दी-जुकाम से राहत देने में असरदार रहता है। यह सीने की अन्य समस्याओं में भी राहत देता है।

कैंसर-रोधी है लहसुन

पशुओं पर किए गए कई प्रयोगों में यह बात सामने आई है कि लहसुन में ट्यूमर-रोधी गुण भी होते हैं। ब्रेस्ट कैंसर के संदर्भ में चूहों पर हुए प्रयोगों में पाया गया कि उन्हें ताजे लहसुन से अपने कैंसर से लड़ने में मदद मिली। लहसुन का उपयोग नपुंसकता और यौन कमजोरी आदि के इलाज में भी किया जाता है। स्पेन और इटली में पारंपरिक रूप से लहसुन का बड़े स्तर पर आहार में प्रयोग होता रहा है। संभवतः इसी संदर्भ में यह इन देशों में लोकप्रिय हुआ।

कैसे खाएं लहसुन?

क्या लहसुन का तेल, उसके कैप्सूल, उसकी गोलियां आदि ताजा लहसुन की तुलना में बेहतर होती हैं? कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि ये भी असरदार होते हैं, जबकि कुछ का कहना है कि उनमें 'एक्टिव गार्लिक कंपाउंड्स' की मात्रा बहुत कम या न के बराबर ही रह जाती है। हालांकि हर हाल में ताजा लहसुन का इस्तेमाल करना अच्छा होता है, क्योंकि यह बैक्टीरिया को खत्म करता है और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है। माना जाता है कि कच्चा लहसुन रक्त की तरलता बनाए रखता है और कोलेस्ट्रॉल का स्तर भी ठीक रखता है। यह रक्तदाब कम करने में भी फायदा करता है। लहसुन दिल के लिए बहुत फायदेमंद होता है।

इसकी तीखी गंध से पाएं छुटकारा

लहसुन खाने के बाद मुंह से आने वाली उसकी तीखी गंध से छुटकारा पाना है, तो आमतौर पर कॉफी, शहद, दही, दूध या लौंग खाने की सलाह दी जाती है, लेकिन कुछ का मानना है कि पार्सले खा सकते हैं, क्योंकि इसमें पाया जाने वाला क्लोरोफिल लहसुन की गंध को कम करने में कारगर होता है। पेपरमिंट या चुइंगम भी आजमा सकते हैं। इलायची भी असरदार रहेगी।

बीते 5,000 सालों से लहसुन को बतौर एंटीसेप्टिक, वात-रोधी तत्व के तौर पर उपयोग किया जा रहा है। यहां तक कि बाल उगाने में भी इसे असरदार माना जाता है। तीखी गंध वाला लहसुन आर्थ्राइटिस, ड्रॉप्सी, इंफ्लुएंजा और टीबी से लेकर कई प्रकार की बीमारियों के इलाज में इस्तेमाल होता रहा है। कुछ लोग स्वस्थ रहने के लिए रोज लहसुन की एक कली खाने की सलाह देते हैं। हां, जिन्हें लहसुन से एलर्जी है, उन्हें इससे दूर रहना चाहिए। वैसे सलाद में लहसुन डालने से उसका स्वाद बढ़ जाता है और गार्लिक ब्रेड तो हम सबकी पसंद है ही। यह शाकाहारी और मांसाहारी, दोनों तरह की सब्जियों एवं सूप का स्वाद बढ़ा देता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-3-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-5-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-6-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। सच्चाई का सहारा लें कार्यसिद्धि होगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। समय आपके पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-3-7-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-6-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-3-7-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-4-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। शुभांक-4-6-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। शुभांक-3-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। शुभांक-4-6-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। सब्र का फल मीठा होता है अत:धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। मनोबल ऊंचा रखें काम में लगे रहें लाभ होगा। विपरीत परीस्थितीयों में भी हानि नहीं होगी। शुभांक-5-7-8

काकुरो पहेली - 3948

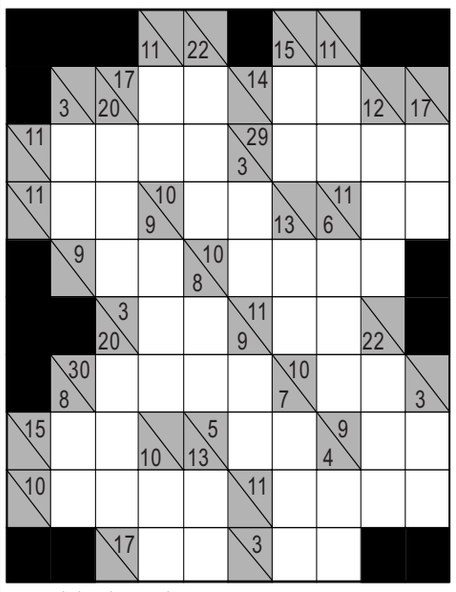

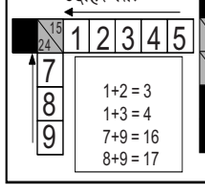

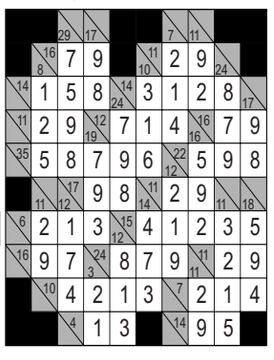

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 3947 का हल

हंसी के फूव्वारें

जज ने अभियुक्त से कहा-'तुम पर मोटर तेज चलाने का इल्जाम है. क्या तुम अपना इल्जाम स्वीकार करते हो?'

'जी हां, मीलार्ड, मगर ?'

'मैंने कोई अपराध नहीं किया.' अभियुक्त सफाई देते हुए बोला-'मेरी मोटर के ब्रेक खराब थे,इसलिये मैंने सोचा कि जल्दी से घर पहुँच जाऊं. कहीं ऐसा न हो कि कोई एक्सीडेंट हो जाए !'

एक सेठ बीमार पड़ गया.

डाक्टरों ने उसे राय दी कि वह विदेश जाकर दवा कराये तो उसने अपने मुंशी से पूछा-'मुंशी जी ! विदेश जाकर दवा कराने में कितना खर्च होगा ?'

'लगभग बीस हजार !'

'और क्रिया-कर्म में ?'

'लगभग पांच हजार !'

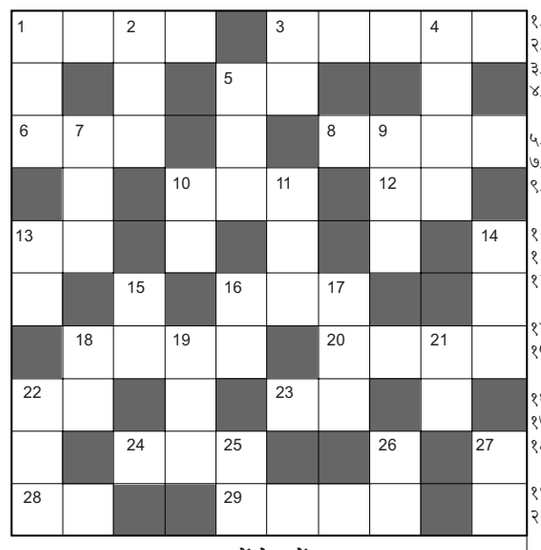

'तो फिर इलाज से मरना ही ज्यादा फायदेमंद रहेगा.' सेठ ने ठण्डी सांस लेते हुए कहा.

रमेश ने महेश से पूछा-'जब सेब पेड़ से नीचे गिरा तो न्यूटन को बहुत आश्चर्य हुआ.'

महेश-'पागल था वह ?'

रमेश-'वह कैसे ?'

महेश-'आश्चर्य की बात तो तब होती जब सेब नीचे से ऊपर जाता.'

फिल्म वर्ग पहेली- 3948

बायें से दायें:-

१. अक्षय खन्ना, करीना की प्रियदर्शन निर्देशित एक कॉमेडी फिल्म-४
३. 'झिलमिल सितारों का आँगन' गीत वाली धर्मेन्द्र, राखी की फिल्म-३,२
५. अजय, नाना, फरदीन, उर्मिला, रेखा की 'ये सर्द आहें' गीत वाली फिल्म-२
६. 'जिस दिल में बसा था प्यार तेरा' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
८. सुनीलदत्त, नूतन की 'बड़ी देर भई नंदलाला' गीत वाली फिल्म-४
१०. 'पर्दे में रहने दो' गीत वाली धर्मेन्द्र, संजीवकुमार, आशा पारेख की फिल्म-३
१२. 'सीता और गीता' में संजीव के साथ वाली हेमामालिनी के पात्र का नाम-२
१३. 'शिकदुम शिकदुम' गीत वाली अभिषेक, उदय चोपड़ा, जॉन अब्राहम, ईशा देओल, रिमी सेन की फिल्म-२
१६. विकास भल्ला, काजोल की 'मेरे चेहरे पे लिखा है' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'आने वाला पल जाने' गीत वाली अमोल पालेकर, बिंदिया की फिल्म-४
२०. जैकी, मोहसिन खान, नीलम की 'एक तू ही मेरा' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'तेरा काम है जलना' गीत वाली राज कपूर और नर्गिस की फिल्म-२
२३. शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या, प्रिया की 'मेरे खयालों की' गीत वाली फिल्म-२
२४. सुदर्शन नाग निर्देशित सनी देओल, नीलम की १९९१ की एक फिल्म-३
२८. जैकी श्रॉफ, रति की 'जितना कभी किसी ने' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'हम भूलेंगे' गीत वाली अमिताभ, अरशद, करिश्मा की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१.शॉवरअली, तरूण अरोड़ा, मेघना की फिल्म-३
२. 'भागे रे मन' गीत वाली फिल्म-३
३. सनी, सलमान, करीश्मा, तब्बू की फिल्म-२
४. अमिताभ, दीपक, डिम्पल, करिश्मा की 'कभी खुशियों की' गीत वाली फिल्म-४
५. 'तेरे नाम' में सलमान की नायिका थी-३
७. कमल हासन, शाहरूख, रानी की फिल्म-१,२
९. 'जिंदगी इम्तिहान' गीत वाली अमिताभ, संजीव, ऋषि, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
१०. नागार्जुन, अमला की एक फिल्म-२
११. सुनील शेट्टी, रवीना, करिश्मा, की फिल्म-३
१३. संजय सूरी, रेवती, गुल पनाग की 'बेनाम सा ये दर्द' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'तुम ने दी आवाज' गीत वाली फिल्म-३
१५. सनी, अजय जडेजा, सेलिना की 'तुमको कितना है' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'इस टूटे दिल' गीत वाली फिल्म-२
१७. राजेंद्रकुमार, शर्मिला टैगोर की एक फिल्म-३
१८. 'अकेले ही अकेले चला' गीत वाली दिलीपकुमार, सायरा बानो की फिल्म-२
१९. आयूब खान, आयशा जुल्का की फिल्म-३
२१. 'ऐ मेरी जिंदगी' गीत वाली जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की फिल्म-२
२२. राजकुमार, मीना की 'ठाड़े रहियो ओ बांके यार' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'मुझे तेरे जैसी' गीत वाली फिल्म-२
२६. मनोज बाजपेयी, अरशद, तब्बू, शीबा की फिल्म-२
२७. 'कैसे कटे दिन' गीत वाली राजेश खन्ना, गोविंदा, जूही, माधवी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3947

सूडोकु -3948

	9				4			
8	4			6		9		5
5		6	8	2		3		
	1	5	6	3			9	7
3	6			9	7	1	4	
		1		4	8	7		6
9		4		7			2	1
			2				8	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भर जाने आवश्यक है.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3947 का हल

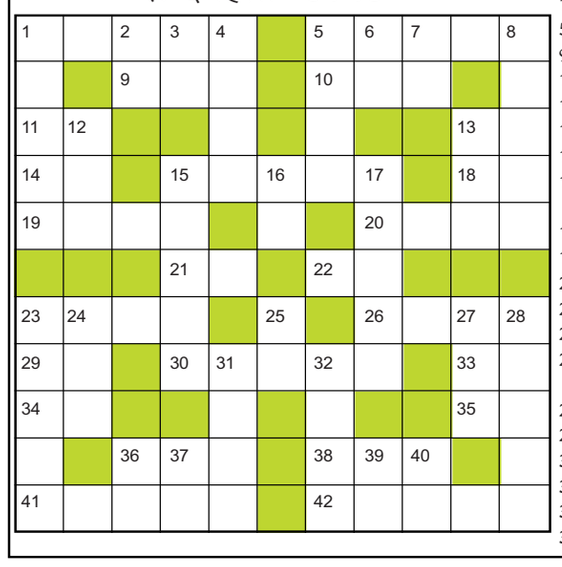

8	5	4	7	3	2	6	1	9
6	7	1	9	5	4	3	2	8
2	9	3	8	6	1	7	5	4
4	3	9	2	1	7	8	6	5
5	6	2	3	8	9	4	7	1
7	1	8	6	4	5	9	3	2
3	2	6	5	9	8	1	4	7
9	4	7	1	2	6	5	8	3
1	8	5	4	7	3	2	9	6

शब्द पहेली - 3948

बाएँ से दाएँ

1.यश प्राप्त करना-5
5.चतुर, जहीन-5
9.दया, तरस-3
10.कामदेव-3
11.लीन, तल्लीन-2
13.बोली, आवाज-2
14.राजदुर्वा-2
15.एक प्रकार का बिस्किट-2,3
18.मत, सलाह-2
19.जो लायक न हो-4
20.अधीनस्थ-4
21.कहानी, गाथा-2
22.श्रवणेंद्रिय-2
23.कुएं से पानी भरने का चबूतरा-4
26.दान देने वाला-4
29.वरदान, दूल्हा-2
30.पत्नी का नाना-2,3
33.सूर्य, दिनकर-2
34.भीगा हुआ-2
35.सुर आलाप-2
36.फूलों का रस,अर्क-3
38.तरंग, हिलोर-3
41.जरुरतमंद-5
42.सेंधमार-5

ऊपर से नीचे

1.नामकरण-5
2.टैक्स,हाथ-2
3.महीना, मास-2
4.नामवर, प्रसिद्ध-4
5.संधि, सामंजस्य-4
6.सरुर, नशा-2
7.झंकार-2
8.रमण योग्य-5
12.तगारी, नांद-3
13.सुअर-3
15.अभिमान मर्दित होना -2,3
16.समाप्त-2
17.नेकनीयत-5
23.हनुमान-3,2
24.मुलायम-3
25.उम्मीद, आशा-2
27.बहादुरी-3
28.शिव, रविलोचन-2,3
31.नामचीन-4
32.सुसंचालन-4
36.चेहरे का तेज, दर्प-2
37.रिश्तेदार-2
39.अधिकार-2
40.ईश्वर, भगवान-2

शब्द पहेली -3947 का हल

रिद्धि डोगरा ने लोकल ट्रेनों में सफर के दिनों को याद किया

उन अभिनेत्रियों में से एक हैं, जिन्हें सफलता के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी है। उन्होंने टीवी इंडस्ट्री में काम किया। अच्छी एक्टिंग की वजह से उन्हें शाहरुख खान जैसे बिग स्टार के साथ काम करने का मौका मिला। अभिनेत्री की खास बात यह है कि वह आज सफल हैं। लेकिन, उन्होंने अपने संघर्ष के दिनों को याद रखा है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर करते हुए भीड़-भाड़ वाली लोकल ट्रेनों में सफर करने के दिनों को याद किया। उन्होंने उन मुश्किलों का जिक्र किया, जिनका उन्होंने सामना किया और उस दृढ़ संकल्प के बारे में बताया, जिसने एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में उनके रास्ते को आकार दिया। रिद्धि ने लिखा कि मुझे हमेशा से जुलाई का महीना पसंद रहा है। इन तस्वीरों ने जुलाई के पुराने दिनों की यादें ताजा कर दीं। जुलाई 2005 में मेरी मुंबई की कहानी शुरू हुई थी। कॉलेज से नई-नई निकली थी और बड़ी दुनिया में पढ़ने, घूमने-फिरने, जीने और सीखने के लिए उत्सुक थी। इसीलिए, मैंने मुंबई को चुना। यह एक ऐसा शहर है, जो अनजाने में मुझे लंबे समय से बुला रहा था। मुझे इस शहर की हलचल भरी जिंदगी और आकर्षण में सुकून मिलता है।

रिद्धि डोगरा ने लिखा कि लोकल ट्रेनें मेरी सबसे पसंदीदा जगह बन गई थीं। 2005 से 2007 के बीच मैं एक ही दिन में कई तरह के वाहनों से सफर करती थी। पहले कॉलेज जाती, फिर अपनी सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक की नौकरी पर जाती। मैं पूरा समय ट्रेन की खिड़की से बाहर देखते हुए और अपने भविष्य के सपनों के बारे में सोचते हुए मुस्कुराती रहती थी। मुझे पूरा यकीन था कि मेरा भविष्य बहुत शानदार होने वाला है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह थी कि मैं अपनी किस्मत की खुद मालिक थी। आज जिसे हम विजुअलाइजेशन और मैनिफेस्टेशन कहते हैं, वह मैं उन दिनों रोज करती थी। लोग उसे 'दिन में सपना देखना' कहते थे। इस दौरान एक गाना मेरे आईपॉड पर सबसे ज्यादा चलता था। रिद्धि डोगरा को असुर में नुसरत, ऑल्ट बालाजी की द मैरिड वुमन में आस्था, स्टार प्लस की मर्यादा: लेकिन कब तक? में प्रिया और वो अपना सा में निशा का किरदार निभाने के लिए पहचान मिली। वह नच बलिए 6 और फियर फैक्टर: खतरों के खिलाड़ी 6 जैसे लोकप्रिय रियलिटी शो में भी नजर आ चुकी हैं। रिद्धि डोगरा द साबरमती रिपोर्ट, लकड़बग्घा, और जवान जैसी फिल्मों में भी नजर आ चुकी हैं।

मैं इंतजार करना पसंद करूंगी, लेकिन बिना जुड़ाव के किरदार नहीं

'अनुपमा' में राही कपाड़िया के किरदार से अभिनेत्री अद्रिजा रॉय ने घर-घर में पहचान बनाई है। इस बीच इंटरव्यू में अद्रिजा ने प्रोजेक्ट्स को ठुकराने और टीवी की दुनिया में आए बदलावों पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि वह वहीं किरदार निभाना पसंद करती है, जिससे उन्हें दिल से जुड़ाव महसूस होता है। वहीं उन्होंने आगे कहा कि अब महिलाओं के लिए लिखे जाने वाले किरदारों में काफी सुधार आया है और दर्शक भी महिला केंद्रित कहानियों को खुले दिल से स्वीकार कर रहे हैं। अद्रिजा रॉय ने कहा, ''मुझे लगता है कि चीजें पहले से काफी बेहतर हुई हैं। अब महिलाओं को 'यादा अहमियत रखने वाले किरदार मिल रहे हैं। हालांकि अभी भी सुधार की गुंजाइश है, लेकिन अ'छी बात यह है कि दर्शक अब महिलाओं के नेतृत्व वाली कहानियों को स्वीकार कर रहे हैं। यह इंडस्ट्री के लिए एक सकारात्मक संकेत है।''

जब उनसे पूछा कि किसी एक किरदार की सफलता के बाद क्या कलाकार के एक जैसी भूमिकाओं में बंध जाने का खतरा बढ़ जाता है। इस पर उन्होंने कहा कि ऐसा होना स्वाभाविक है, क्योंकि जब कोई किरदार लोकप्रिय हो जाता है तो लोग उसी तरह के रोल में कलाकार को देखने लगते हैं। उन्होंने कहा, ''जब कोई भूमिका लोकप्रिय हो जाती है तो लोग आपको उसी अंदाज में देखने लगते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि आपने उस किरदार को अ'छी तरह निभाया है। मैं इसके लिए किसी को दोष नहीं देती। लेकिन एक कलाकार के तौर पर मैं हमेशा खुद को और दर्शकों को सरप्राइज करना चाहती हूं। मैं एक ही तरह के किरदार बार-बार नहीं करना चाहती। मेरे लिए हर नया रोल कुछ नया सीखने का मौका होना चाहिए।''

अद्रिजा ने अपने करियर के फैसलों को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा, ''हर अभिनेता चाहता है कि उसके पास चुनने के लिए बहुत सारे विकल्प हों, लेकिन यह इंडस्ट्री हमेशा इस तरह काम नहीं करती। कई बार कोई अ'छा प्रोडक्शन हाउस आपको ऐसा किरदार देता है, जो शायद आपकी पहली पसंद न हो। ऐसे में पूरी तस्वीर देखनी चाहिए। कहानी क्या है, टीम कैसी है और किरदार शो में क्या योगदान दे रहा है, इन सभी चीजों को समझना जरूरी होता है। हर स्थिति में कोई एक सही या गलत जवाब नहीं होता। हर कलाकार को अपने हिसाब से फैसला लेना पड़ता है।''

बातचीत के दौरान अद्रिजा ने खुलासा किया कि उन्होंने अपने करियर में कुछ ऐसे प्रोजेक्ट्स को मना किया है, जिनसे वह खुद को जोड़ नहीं पाईं। उन्होंने कहा, ''हां, मैंने कुछ प्रोजेक्ट्स के लिए मना किया है। ऐसा इसलिए नहीं था कि वे खराब थे, बल्कि इसलिए क्योंकि मैं उन किरदारों से जुड़ाव महसूस नहीं कर पाई। अगर मैं किसी भूमिका पर विश्वास नहीं करती हूं, तो मेरे लिए उसके साथ न्याय करना मुश्किल हो जाता है। मैं इंतजार करना पसंद करूंगी, लेकिन ऐसा काम करना चाहती हूं जो मुझे अंदर से उत्साहित करे।''

मुंबई और लॉस एंजिल्स के बीच के सफर ने मुझे एक बड़ा सबक दिया है

सुपरहिट फिल्म 'कुछ कुछ होता है' में शाहरुख खान की बेटी 'अंजलि' का किरदार निभाकर लोगों के दिलों में जगह बनाने वाली अभिनेत्री सना सईद ने सोशल मीडिया पर अपना एक अनुभव साझा किया। दरअसल, उन्होंने विदेश में रहने के दौरान भाषा, उच्चारण और संवाद से जुड़ी कठिनाइयों के बारे में खुलकर बात की। सना सईद आज लॉस एंजिल्स में रहती हैं और अपने करियर और जीवन को नए तरीके से आगे बढ़ा रही हैं। उन्होंने गुरुवार को इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने अपने अमेरिका पहुंचने के शुरुआती दिनों का एक दिलचस्प अनुभव बताया। सना ने बताया, 'साल 2016 में मैं पहली बार पढ़ाई के लिए लॉस एंजिल्स आई थी। इस दौरान मुझे रोजमर्रा की छोटी-छोटी बातों में भी काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। मुझे याद है कि एक बार मैं एक रेस्टोरेंट में गई थी और वहां पानी पीना चाहती थी लेकिन मेरा उच्चारण वहां के लोगों को ठीक से समझ नहीं आया। मैंने कई बार 'वॉटर' कहा, लेकिन रेस्टोरेंट वाला अलग-अलग चीज समझता रहा और यहां तक कि 'सोडा' या 'कोक' तक ऑफर करने लगा।'

उन्होंने आगे कहा, ''उस दिन मुझे एहसास हुआ कि अगर मुझे अमेरिका में लंबे समय तक रहना है, तो मुझे अपने बातचीत करने के तरीके पर काम करना होगा, क्योंकि सुना जाना सबसे जरूरी है। इसके बाद मैंने अपने उच्चारण और बोलने के तरीके पर ध्यान देना शुरू किया और इसके लिए ट्रेनिंग भी ली।'' सना ने बताया कि यह प्रक्रिया आसान नहीं थी। किसी नए देश में जाकर वहां की भाषा के अनुसार खुद को ढालना बिल्कुल एक नई भाषा सीखने जैसा होता है। इसमें समय, मेहनत और लगातार अभ्यास की जरूरत होती है। उन्होंने कहा, ''कई लोग सोचते हैं कि उच्चारण बदलना बहुत आसान है, लेकिन असल में इसके पीछे बहुत मेहनत और आत्मविश्वास की जरूरत होती है।''

उन्होंने कहा, ''मुझे इस बात से परेशानी होती है कि लोग अक्सर किसी के उच्चारण का मजाक उड़ाते हैं या उसे गलत समझते हैं। हर व्यक्ति का बोलने का अपना तरीका होता है, जो उसकी संस्कृति और पृष्ठभूमि से जुड़ा होता है। इसलिए किसी के उच्चारण को लेकर नकारात्मक टिप्पणी करना सही नहीं है।'' सना ने अपने वीडियो में कहा, ''मेरे लिए संवाद करना सिर्फ बोलना नहीं है, बल्कि अपने विचारों को सही तरीके से दूसरों तक पहुंचाना है। अभिनय के क्षेत्र में काम करने वाले कलाकारों के लिए यह और भी जरूरी हो जाता है, क्योंकि उनकी आवाज और संवाद ही उनका सबसे बड़ा साधन होता है।''

अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के कैप्शन में सना ने लिखा, ''मेरा एक्सेंट अभी भी पूरी तरह परफेक्ट नहीं है लेकिन मुंबई और लॉस एंजिल्स के बीच के इस सफर ने मुझे एक बड़ा सबक दिया है। किसी भी भाषा या उच्चारण को लेकर शर्म महसूस करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि हर व्यक्ति अपनी तरह से बोलता है और यह पूरी तरह सामान्य है।

पंकज पाराशर की ओटीटी सीरीज को लेकर अभिनेत्री शीना चौहान ने की बात

निर्देशक पंकज पाराशर ने अपनी आगामी ओटीटी सीरीज में अभिनेत्री शीना चौहान की नकारात्मक भूमिका को लेकर बातचीत की। शीना को कास्ट करने को लेकर पंकज पाराशर ने आईएएनएस से बातचीत करते हुए कहा, 'मैं अपनी अगली ओटीटी सीरीज के लिए नेगेटिव लीड रोल में शीना को चुनकर खुश हूं, क्योंकि उनमें इस किरदार के लिए जरूरी सभी खूबियां हैं, खासकर मार्शल आर्ट्स की उनकी ट्रेनिंग। एक एक्ट्रेस के तौर पर वह बहुत उत्साहित और कमिटेड भी हैं। अपने काम के प्रति उनका समर्पण बहुत पसंद है।' नए प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए शीना चौहान ने कहा, 'यह खबर मेरे जन्मदिन के आस-पास आई और इसने मेरे जन्मदिन को बहुत खास बना दिया। मैंने हमेशा पंकज सर और उनकी ओर से वर्षों से बनाए गए शानदार, यादगार महिला किरदारों की तारीफ की है। इसलिए, जब मैं उनसे मुंबई इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में मिली और उन्होंने मेरे साथ इस प्रोजेक्ट के बारे में बात की, तो मैंने उनसे बात की।

शीना चौहान ने कहा, 'मुझे किरदारों और कहानियों को जीवंत करने से ज्यादा कुछ पसंद नहीं है। मैं हर रोल में अपना दिल और जान लगा देती हूं, इस उम्मीद के साथ कि मैं अपनी कहानियों के जरिए लोगों को प्रेरित और उत्साहित कर सकूंगी। एक्टिंग मुझे अपने असली मकसद को जीने का मौका देती है। यह मुझे अपनी थिएटर ट्रेनिंग, मार्शल आर्ट्स और फिटनेस का इस्तेमाल करके एक गहरे और दमदार किरदार को गढ़ने का मौका देती है। मैं इस सफर को शुरू करने के लिए सच में बहुत उत्साहित हूं।'

सीक्रेट एजेंट्स पर आधारित आने वाली जासूसी सीरीज इस सितंबर में शुरू होने वाली है। शीना इसके बाद पैन-इंडिया साउथ फिल्म 'जटास्य मरणं ध्रुवम्' में जे. डी. चक्रवर्ती के साथ नजर आएंगी, जिसमें वह एक एक्शन-पैक्ड रोल में पुलिस अफसर की भूमिका निभा रही हैं। वह इस सीरीज में एक्शन सीन करती हुई भी नजर आएंगी। एक्ट्रेस के पास एक इंटरनेशनल वेब सीरीज भी है; इस साल उनकी लगभग पांच रिलीज लाइन में हैं।

इंडस्ट्री में उम्र बढ़ने के साथ कलाकारों को किस तरह नजरअंदाज किया जाता है

टीवी के लोकप्रिय अभिनेता राम कपूर ने अपने करियर में कई यादगार किरदार निभाए हैं और दर्शकों का भरपूर प्यार हासिल किया है। वह अक्सर मनोरंजन जगत के उस सच पर खुलकर बात करते दिखते हैं, जिसके बारे में कलाकार बोलने से बचते नजर आते हैं। इस कड़ी में राम कपूर ने बताया कि इंडस्ट्री में उम्र बढ़ने के साथ कलाकारों को किस तरह नजरअंदाज किया जाता है। साथ ही बताया कि उनकी पत्नी और अभिनेत्री गौतमी कपूर भी इसी तरह के दौर से गुजर चुकी हैं।

राम कपूर ने यह खुलासा नेटफ्लिक्स के रियलिटी शो 'लॉक अप: सच या सजा' के दौरान आकांक्षा चमोला से बातचीत में किया। दरअसल, शो में आकांक्षा चमोला ने राम कपूर से कहा कि वह जल्द ही अपने पति गौरव खन्ना से अलग रहकर अपनी नई शुरुआत करने वाली हैं। ऐसे में उन्हें अपना नया ठिकाना बनाना होगा और करियर को भी नए सिरे से संभालना पड़ेगा। उन्होंने राम से कहा कि इस सफर में उन्हें उनकी मदद की जरूरत पड़ सकती है। आकांक्षा की बात सुनकर राम ने बिना किसी झिझक के उनका साथ देने का भरोसा दिया। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर वह अपनी पूरी टीम को उनकी मदद के लिए लगा देंगे।

बातचीत के दौरान आकांक्षा ने मनोरंजन इंडस्ट्री की एक बड़ी समस्या का जिक्र करते हुए कहा कि यहां कलाकारों की उम्र को लेकर बहुत जल्दी धारणा बना ली जाती है। जैसे ही कोई कलाकार 35 साल की उम्र पार करता है, उसे यह कहकर अलग कर दिया जाता है कि अब वह पहले जैसा नहीं रहा। इससे कलाकारों के लिए नए मौके कम होने लगते हैं और करियर पर असर पड़ता है।

आकांक्षा ने राम कपूर से बात करते हुए कहा, 'आप जानते हैं कि लोग हमारी उम्र को अच्छी नजर से नहीं देखते। दुर्भाग्य से जैसे ही कोई कलाकार 35 साल का होता है, उसे यह कहकर अलग कर दिया जाता है कि वह अब बहुत उम्रदराज हो गया है। मुझे इस दुनिया की ज्यादा समझ नहीं है। मैं जितना कर सकती थी, उतना किया है। अब उम्मीद है कि आगे भी काम मिलता रहे, ताकि मैं अपनी जिंदगी सुरक्षित बना सकूं।' आकांक्षा की बातें सुनकर राम कपूर ने कहा कि उनकी स्थिति उन्हें अपनी पत्नी गौतमी कपूर की याद दिलाती है। उन्होंने बताया कि गौतमी भी अपने करियर में ऐसे ही दौर से गुजरी हैं और वह इस दर्द को अच्छी तरह समझते हैं।

राम ने कहा, 'गौतमी और मैंने भी उम्र का भेदभाव झेला है। शुरुआत में गौतमी भी इसी तरह की परिस्थितियों से गुजरी थीं। मैं इस बारे में ज्यादा कुछ नहीं कहना चाहता, लेकिन जो दौर तुम झेल रही हो, उससे गौतमी भी गुजर चुकी हैं। वह मेरी पत्नी हैं, मेरी दुनिया हैं, मेरा प्यार हैं। इसलिए मैं समझ सकता हूं कि तुम किस स्थिति में हो। मैं तुम्हारे लिए जितना संभव होगा, उतनी मदद करूंगा।' बता दें कि नेटफ्लिक्स के रियलिटी शो 'लॉक अप: सच या सजा' को फराह खान और रितेश देशमुख होस्ट कर रहे हैं। शो में आकांक्षा चौधरी, योगेश रावत, सुनीता आहूजा, श्रेया कालरा, शिवांगी जोशी, हर्षद चोपड़ा, सूफी मोतीवाला, धीरज धूपर, माधुरी जैन ग्रोवर, रियाज अली और वरुण यादव उर्फ लैला जैसे कई चर्चित चेहरे भी शामिल हैं।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।